RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 28 डिग्री

एनसीआर
अधिकतम तापमान 44 डिग्री
न्युनतम तापमान 28 डिग्री

सोमवार 23 जून 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :24 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 22 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 248 | गाजियाबाद, सोमवार 23 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm
Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

अगले 5 दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी: मौसम विभाग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

जून की उमस भरी गर्मी से परेशान होकर आप भी अगर पहाड़ों या किसी अन्य ठंडी जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। मौसम अब करवट ले चुका है। भारत में मानसून की दश्तक के साथ ही अगले कुछ दिनों तक देश के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है।

भारी बारिश की चेतावनी भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने जारी की है। मौसम विभाग के मुताबिक 22 से 26 जून के बीच देश के उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य प्रदेश, गुजरात, कोंकण और गोवा में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। खास बात यह है कि कुछ राज्यों में तो अगले कुछ दिनों में अत्यधिक भारी बारिश भी हो सकती है।

आईएमडी के बुलेटिन के अनुसार 22 जून को गुजरात क्षेत्र के कुछ हिस्सों में, जबकि 23 और 24 जून को मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में 20 सेमी से भी अधिक बारिश हो सकती है। वहीं, पूर्वोत्तर भारत में भी अगले तीन दिनों तक लगातार भारी बारिश के आसार हैं और उसके बाद अगले चार दिनों तक भी तेज बारिश की संभावना बनी रहेगी। देश के मध्य भारत में पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ जैसे इलाकों में 23 और 24 जून को अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। 22 से 27 जून के दौरान अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, बिहार, झारखंड, गंगा क्षेत्र का पश्चिम बंगाल और ओडिशा में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है।

कई इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, इससे यातायात और बिजली जैसी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। देश के पश्चिमी हिस्सों में विशेष रूप से गुजरात, कोंकण और गोवा में 22 से 28 जून के बीच भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। 22 जून को गुजरात में कई स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की आशंका जताई गई है। इस दौरान मुंबई सहित पश्चिमी समुद्री तटीय इलाकों में जलजमाव और बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है।उत्तर-पश्चिम भारत की बात करें, तो 23 जून को पूर्वी राजस्थान में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी अगले 5 से 7 दिनों तक भारी बारिश का अनुमान है। बिजली गिरने और तेज हवाओं के चलते इन इलाकों में एहतियातन सतर्कता बरतने की जरूरत है।

पूर्वोत्तर भारत में भी भारी वर्षा का दौर जारी रहेगा। 22 और 23 जून को असम और मेघालय में, 23 और 24 को अरुणाचल प्रदेश में, जबकि 23 जून को ही नागालैंड और मणिपुर में भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। पहाड़ी और जंगलों वाले इलाकों में भूस्खलन और नदियों का जलश्तर बढ़ने की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

दक्षिण भारत के राज्य भी बारिश के इस दौर से अछूते नहीं रहेंगे। केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र के तटीय हिस्सों में 22 से 28 जून के बीच कई स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गरज-चमक के साथ बारिश और 40 से 60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से एक और महत्वपूर्ण चेतावनी यह दी गयी है कि तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा के कुछ इलाकों में 22 से 24 जून के बीच गर्म और आर्द्र मौसम बना रहेगा, जिससे उमस और असहजता महसूस हो सकती है। ऐसे में अगर आप यात्रा की योजना बना रहे हैं या किसी खुले इलाके में काम करते हैं, तो अगले कुछ दिनों तक आपको विशेष सतर्कता बरतनी जरूरी है।

भारी बारिश से ट्रैफिक जाम, जलभराव, पेड़ों के गिरने, बिजली की समस्या और संचार सेवाओं में बाधा जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। विशेषकर पहाड़ी इलाकों में जाने वाले पर्यटक मौसम की स्थिति जानकर ही अपने-अपने घरों से निकलेंगे, तो बेहतर होगा।

पुलिस नक्सली मुठभेड़, 7 माओवादियों के शव बरामद

✷ वेबवार्ता. जगदलपुर ✷

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में जून 2025 के पहले पखवाड़े के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए सघन माओवादी विरोधी अभियानों की श्रृंखला में माओवादी कैडरों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ों के बाद सात माओवादियों के शव बरामद किए गए।

बरामद शवों में दो शीर्ष माओवादी नेताओं गौतम उर्फ सुधाकर,भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य एवं भास्कर राव, भाकपा (माओवादी) स्टेट कमिटी सदस्य शामिल हैं। पुलिस के रविवार के जारी बयान के अनुसार बरामद अन्य शवों में से एक की पहचान महेश कोडियम के रूप में की गई, जो बीजापुर जिले के फरसगढ़ थाना अंतर्गत इरपागुट्टा गांव का निवासी था। मृत महेश कोडियम के शव का पंचनामा किए जाने के दौरान यह तथ्य सामने आया कि वह नेशनल पार्क क्षेत्र डिवीजन के अंतर्गत प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन का पार्टी सदस्य था और उसकी संलिप्तता इस अवैध संगठन से थी।यह भी सामने आया है कि महेश कोडियम इरपागुट्टा गांव के प्राथमिक विद्यालय में रसोई सहायक के रूप में कार्यरत था। उसका चयन गांव की विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा किया गया था और मार्च 2025 तक उसे भुगतान किया जा रहा था।

यह अभी जाँच का विषय है कि महेश कोडियम किन परिस्थितियों में केंद्रीय समिति सदस्य गौतम, राज्य समिति सदस्य भास्कर जैसे शीर्ष माओवादी नेताओं के संपर्क में आया। इस पूरे मामले की हर पहलू से गंभीर, निष्पक्ष और पेशेवर तरीके से जांच की जा रही है।

मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से टेलीफोन पर बातचीत की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान इज़रायल संघर्ष में अमेरिका के हमले के बाद रविवार की दोपहर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से टेलीफोन पर बात की और संघर्ष के बढ़ने पर चिंता जताने के साथ ही सभी पक्षों से संवाद एवं कूटनीति से समाधान खोजे जाने पर बल दिया। श्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में यह जानकारी देते हुए कहा, "ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से बात की। हमने वर्तमान स्थिति के बारे में विश्तार से चर्चा की। हाल की वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त की।" प्रधानमंत्री ने कहा, "क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता को शीघ्र बहाल करने के लिए तत्काल तनाव कम करने, संवाद एवं कूटनीति के हमारे आह्वान को दोहराया।"

ईरान से 311 भारतीय नागरिकों को लेकर नई दिल्ली पहुंची उड़ान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। इजरायल के साथ संघर्ष में उलझे ईरान में फंसे लोगों को निकालने के लिए शुरू ऑपरेशन सिंधु के तहत रविवार को 311 भारतीय नागरिकों को लेकर एक और विशेष उड़ान यहां पहुंची। वहीं, आज रात में एक और उड़ान के पहुंचने की उम्मीद है। मौजूदा उड़ान के साथ अब तक 1,428 भारतीय नागरिकों को ईरान से निकाला जा चुका है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'ऑपरेशन सिंधु जारी है। 22 जून को 16.30 बजे 311 भारतीय नागरिकों को लेकर मशहद से एक विशेष उड़ान नई दिल्ली पहुंची। अब तक 1428 भारतीय नागरिकों को ईरान से निकाला जा चुका है।' इससे पहले शनिवार की रात को ईरान के मशहद से 290 भारतीय नागरिकों को लेकर एक उड़ान यहां पहुंची थी। वहीं, आज रात 11.30 बजे एक और उड़ान आने की उम्मीद है। भारत ने ईरान और इजरायल के बीच चल रही लड़ाई के बीच अपने नागरिकों को वहां से निकालने के लिए ऑपरेशन सिंधु शुरू किया है।

मिस्र के विदेश मंत्री ने अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा की स्थगित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। पश्चिमी एशिया में बढ़ते संघर्ष के मद्देनजर, मिस्त्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती ने अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा स्थगित कर दी है। यह यात्रा सोमवार से शुरू होने वाली थी। इससे पहले, श्री अब्देलती फरवरी में भारत की यात्रा पर आने वाले थे लेकिन कुछ कारणों से उस दौरान भी यात्रा रद्द करनी पड़ी थी। श्री अब्देलती अपने प्रशतावित नई दिल्ली दौरे के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करने वाले थे। श्री अब्देलती शनिवार को तुर्की में आयोजित इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की बैठक में शामिल हुये थे और यहां उन्होंने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराग्ची से मुलाकात करके इजरायल-ईरान के बीच जारी युद्ध से निपटने के लिये कूटनीति प्रयासों पर चर्चा की।

बंगाल के मुर्शिदाबाद में सड़क हादसे में छह की मौत, कई घायल

✷ वेबवार्ता. कोलकाता ✷। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में रविवार को एक ट्रेकर और डंपर की टक्कर में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी, जिनमें चार महिलाएं और एक बच्चा शामिल है और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि सभी पीड़ित ट्रेकर में सवार थे और हादसे के समय बीरभूम के सैंथिया में एक जलाशय में पवित्र स्नान करने के बाद घर लौट रहे थे। यह दुर्घटना कंडी-बहरामपुर राज्य राजमार्ग पर गोकर्ण गांव में हुयी। दुर्घटनाग्रश्त ट्रेकर में चालक सहित 22 लोग सवार थे। टक्कर इतनी जबरदश्त थी कि ट्रेकर वाहन स्टील के मलबे में तब्दील हो गया। घायलों को मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

अत्याधुनिक युद्धपोत 'तमाल' एक जुलाई को होगा नौसेना में शामिल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रूस में निर्मित अत्याधुनिक बहुउद्देशीय स्टील्थ युद्धपोत आगामी एक जुलाई को भारतीय नौसेना में शामिल हो जायेगा। नौसेना ने रविवार को यह जानकारी दी। नौसेना के अनुसार इस युद्धपोत का निर्माण रूस के तटीय शहर कैलिनिनग्राद में यांतर शिपयार्ड में किया गया है जहां एक समारोह में औपचारिक रूप से इसे नौसेना के बेड़े में शामिल किया जायेगा। यह युद्धपोत रडार को धोखा देने वाली प्रणाली तथा आधुनिक हथियारों से लैस है। विदेशी सरजमीं से नौसेना में शामिल किया जाने वाला यह आखिरी युद्धपोत है।

पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ संजय जे सिंह मुख्य अतिथि के रूप में इस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। इस अवसर पर भारत और रूस के कई उच्चश्तरीय सरकारी और रक्षा अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। 'तमाल' नाम से जाना जाने वाला यह युद्धपोत पिछले दो दशकों में रूस से प्राप्त क्रिवाक श्रेणी के फ्रिगेट की श्रृंखला में आठवां घातक जंगी जलयान है। तमाल जहाज तुशील श्रेणी का ऐसा दूसरा युद्धपोत है, जो अपने पूर्ववर्ती जहाजों तलवार और तेग श्रेणी का उन्नत संस्करण तथा गोपनीयता से कार्य करने वाला जलपोत है। इन दोनों ही श्रेणियों में से प्रत्येक में तीन-तीन जंगी जहाज हैं।

इस युद्धपोत में 26 प्रतिशत उपकरण स्वदेशी हैं, जिनमें समुद्र और जमीन दोनों जगह पर लक्ष्य पर निशाना साधने के लिए लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस भी शामिल है। यह सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, उन्नत 100 मिलीमीटर तोप, मानक 30 मिलीमीटर गन क्लोज-इन हथियार प्रणाली के आलावा आधुनिक समय की ईओ/आईआर प्रणाली, अत्यधिक भार वाले टारपीडो, तत्काल हमला करने वाले पनडुब्बी रोधी रॉकेट और अनेक निगरानी तथा अन्य प्रणालियां शामिल हैं। मारक प्रणालियों में बढ़ोतरी के लिए हवाई पूर्व चेतावनी और बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर भी तैनात हैं, जो तमाल के डेक से संचालित हो सकते हैं। इसके चालक दल में 250 से अधिक नाविक हैं, जिन्होंने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग और कैलिनिनग्राद की अत्यंत चुनौतीपूर्ण शीतकालीन परिस्थितियों में कठोर तटीय तथा जलगत प्रशिक्षण प्राप्त किया है। तमाल ने लगातार तीन महीनों में व्यापक समुद्री परीक्षण पूरे कर लिए हैं, जिससे इसकी प्रणालियों, हथियारों और सेंसरों का परीक्षण हो चुका है। इस युद्धपोत का नाम तमाल रखा गया है, जो देवताओं के राजा इंद्र द्वारा युद्ध के लिए इश्तेमाल की जाने वाली पौराणिक तलवार का प्रतीक है। इस जहाज का शुभंकर भारतीय पौराणिक कथाओं के अमर भालू राजा 'जाम्बवंत' और रूसी राष्ट्रीय पशु - यूरेशियन भूरे भालू की समानता से प्रेरित है।

तमाल लंबे समय से चले आ रहे भारत-रूस सहयोग और मित्रता का प्रमाण है। तमाल का आदर्श वाक्य, 'सर्वदा सर्वत्र विजय' (हर समय विजयी) है। यह युद्धपोत 125 मीटर लंबा और 3900 टन वजनी घातक जहाज है।

मोदी ने ईरानी राट्रपति से बातचीत में संवाद एवं कूटनीति से समाधान तलाशने पर जोर

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान इज़रायल संघर्ष में अमेरिका के हमले के बाद रविवार को दोपहर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान से टेलीफोन पर बात की और संघर्ष के बढ़ने पर चिंता जताने के साथ ही सभी पक्षों से संवाद एवं कूटनीति से समाधान खोजे जाने पर बल दिया। श्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में यह जानकारी देते हुए कहा, "ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान से बात की। हमने वर्तमान स्थिति के बारे में विश्तार से चर्चा की। हाल की वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त की।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता को शीघ्र बहाल करने के लिए तत्काल तनाव कम करने, संवाद एवं कूटनीति के हमारे आह्वान को दोहराया।"

विदेश मंत्रालय ने बाद में एक बयान में कहा कि ईरान के राष्ट्रपति श्री पेज़ेशकियान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को टेलीफोन कॉल किया था। श्री पेज़ेशकियान ने प्रधानमंत्री को विश्तार से जानकारी दी और क्षेत्र की वर्तमान स्थिति, विशेष रूप से ईरान और इज़रायल के बीच चल रहे संघर्ष पर अपने दृष्टिकोण को साझा किया। प्रधानमंत्री ने संघर्ष में हाल की वृद्धि पर भारत की गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत शांति और मानवता के पक्ष में है।

इस संदर्भ में, प्रधानमंत्री ने आगे बढ़ने के राश्ते के रूप में तत्काल तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत के समर्थन को दोहराया।

विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री ने ईरान से भारतीय समुदाय के लोगों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए निरंतर सहयोग दिए जाने के लिए राष्ट्रपति पेज़ेशकियन को धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने व्यापार और आर्थिक सहयोग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए काम जारी रखने की साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। वे संपर्क में रहने के लिए सहमत हुए।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, नगर पंचायतों को 1 करोड़ तक के कार्य करने की स्वायत्तता

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नगर विकास विभाग ने प्रदेश के नगरीय निकायों को अधिक वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वायत्तता प्रदान करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। नगर विकास विभाग ने वर्ष 2021 में जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में व्यापक संशोधन करते हुए संचालन प्रक्रिया को अधिक सरल और जवाबदेह बनाया है।

इसके तहत अब नगर पंचायतों को 1 करोड़ रुपए और पालिका परिषदों को 2 करोड़ रुपए तक के कार्य स्वयं करने की स्वायत्तता होगी। इसके साथ ही नगरीय निकायों से करवाए जाने वाले निर्माण कार्यों में होने वाली गड़बड़ी या गुणवत्ता में कमी के लिए पचास-पचास प्रतिशत राशि संबंधित ठेकेदार और प्रशासनिक अधिकारी से वसूलने का भी प्रावधान किया गया है।

इसके अतिरिक्त नगरीय निकायों की विकास प्रक्रिया को तेज करने के लिए नई तकनीक के इश्तेमाल पर भी जोर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश के नगर विकास विभाग ने 74वें संविधान संशोधन के मुताबिक नगरीय निकायों को अधिक वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वायत्तता प्रदान की है।

नगर विकास विभाग ने 2021 में जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में जरूरी बदलावों को मंजूरी दी है। इसके तहत विभाग ने बाजार दरों में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए नगरीय निकायों की वित्तीय सीमा को पुनः निर्धारित किया है। इसके अनुसार, अब प्रदेश की नगर पंचायत को 1 करोड़ रुपए और नगर पालिका परिषद को 2 करोड़ रुपए के निर्माण एवं अन्य विकास कार्य करने की अनुमति प्रदान की गई है। जबकि, अभी तक उन्हें केवल 40 लाख रुपए तक के कार्य कराने की ही अनुमति थी।

नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि एसओपी में संशोधन से स्थानीय नगरीय निकायों को न केवल वित्तीय स्वायत्तता मिलेगी, बल्कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। यह नगरीय प्रशासन को जनहित में अधिक प्रभावी बनाएगा।

नगर विकास विभाग ने नगरीय निकायों के निर्माण एवं विकास कार्यों में गड़बड़ी या गुणवत्ता में कमी के लिए संबंधित ठेकेदार, अभियंता और प्रशासनिक अधिकारी की जवाबदेही को नए सिरे से तय किया है।

एसओपी में किए गए प्रमुख संशोधन के अनुसार, किसी भी निर्माण या विकास कार्य में गुणवत्ता की कमी या मापन में त्रुटि के कारण यदि अतिरिक्त भुगतान होता है, तो उसकी वसूली संबंधित ठेकेदार से 50 प्रतिशत और शेष 50 प्रतिशत राशि अभियंता एवं प्रशासनिक अधिकारियों से वसूल की जाएगी। वसूली की प्रक्रिया जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित व संचालित की जाएगी। यदि वसूली न हो सके तो इसे भू-राजस्व की तरह वसूलने का प्रावधान है।

एसओपी में हुए संशोधन में नगरीय निकायों द्वारा विकास कार्यों के लिए आधुनिक तकनीक के इश्तेमाल पर भी जोर दिया गया है। इसके अनुसार, नगरीय निकायों की 3.75 मीटर से अधिक चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए एफडीआर तकनीक का प्रयोग किया जा सकेगा। साथ ही सड़कें सीसी रोड या डमरीकृत बनाई जाएंगी। इनके अलावा 3.75 मीटर तक चौड़ी सड़कों पर इंटरलॉकिंग टाइल्स का प्रयोग किया जा सकेगा, बशर्ते वह मुख्य मार्ग न हों और उन पर भारी वाहन न चलते हों।

साथ ही नई एसओपी के तहत 3.75 मीटर से कम चौड़ी सड़कों के लिए केसी-टाइप नाली और उससे अधिक चौड़ी सड़कों के लिए यू-टाइप आरसीसी नाली के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इनका निर्माण लोक निर्माण विभाग और आईआरसी मानकों के अनुसार किया जाएगा।

निकायों को निर्देशित किया गया है कि वे वार्डवार सड़क डायरेक्ट्री, अभिलेखीकरण और जीआईएस मैपिंग करें ताकि दीर्घकालिक योजनाएं आसानी से बनाई जा सकें। इसके साथ ही सभी विकास योजनाएं सड़क, जल निकासी और रोड लाइट को समाहित करते हुए समेकित रूप में बनाई जाएंगी। यह संशोधित एसओपी नगरीय प्रशासन के विकेंद्रीकरण और जवाबदेही को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

तेज रफ्तार कार ने पैदल चल रहे बुजुर्ग को मारी टक्कर, मौत

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब ठाकुरद्वारा की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार ऑल्टो कार ने सड़क किनारे पैदल चल रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी। बुंदू खां पुत्र अनवार, उम्र लगभग 67 वर्ष, निवासी उमरपुर खादर, सुबह करीब 9 बजे सड़क के एक किनारे पैदल चल रहे थे। उसी दौरान ठाकुरद्वारा की दिशा से आ रही एक ऑल्टो कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बुंदू खां की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गाड़ी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर आए दिन तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही बनी रहती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से यहां स्पीड कंट्रोल और यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

जंगल में काम कर रहे दो सगे भाइयों पर मादा गुलदार ने किया हमले का प्रयास

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। क्षेत्र के गांव बल्लाशेरपुर में ईख के खेत में काम कर रहे दो सगे भाईयों पर दो शावकों के साथ बैठी मादा गुलदार ने झपटा मार दिया,। जिसमें दोनों भाई बाल बाल बच गए। दर्जनों की संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीण दोनों शावको कों पकड़कर खेत से निकालकर बाहर ले आए। इसी दौरान मादा गुलदार दोबारा से आकर एक शावक को ग्रामीणों के सामने ही उठाकर ले गई। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। गांव बल्लाशेरपुर निवासी दो सगे भाई मोकम सिंह, बालेश पुत्रगण मदनपाल सिंह अपने ईख के खेत में काम करने गए थे। बताया जाता है कि वह ईख के खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान वहां मादा गुलदार अपने दो शावकों के साथ बैठी थी। वह काम करते-करते वहां तक पहुंच गए। इस दौरान मादा गुलदार ने उन पर झपटा मार दिया, जिस पर वह बाल बाल बच गए। सूचना पर दर्जनों की संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीण दोनों शावकों को उठाकर सड़क पर ले आए। मादा गुलदार अपने शावकों की तलाश में दोबारा से सड़क पर आ गई। सड़क पर आई मादा गुलदार को देखकर भगदड़ मच गई। मादा गुलदार अपने एक शावक को ग्रामीणों के सामने ही उठाकर ले गई। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद दूसरे शावक को भी जंगल में छोड़ दिया गया। उधर जंगल में मादा गुलदार की दश्तक को लेकर किसानों में दहशत फैल गई।

आगामी त्यौहारों को लेकर आयोजित हुई शांति समिति की बैठक

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। थाना प्रांगण मे सावन मास की कांवड़ यात्रा व मोहर्रम के पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में एएसपी पूर्वी ने कहा कि कोई भी बात होने पर स्वयं निर्णय न ले, उसकी तुरंत सूचना पुलिस को दे। साथ ही सभी से त्यौहारो को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की गई। थाना प्रांगण में सावन मास की कांवड़ यात्रा व मोहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एएसपी पूर्वी ने कहा कि कांवड़ यात्रा को लेकर विद्युत विभाग अपनी बिगड़ी हुई व्यवस्थाओ को दुरुश्त कर ले। यदि विद्युत अव्यवस्थाओं को लेकर कोई घटना घटित होती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएंगी। इसके लिए शासन की ओर से सख्त निर्देश जारी किए है। क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे ने कहा कि कही कोई विवाद होने पर स्वयं कोई निर्णय न ले, इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दे ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके। दोनों पर्वो को लेकर शांति समिति की बैठक में आए संभ्रांत व्यक्तियो ने भी अपने सुझाव रखे। बैठक में पालिका अधिशासी अधिकारी ओम गिरी, भाजपा नगर अध्यक्ष वैभव गोयल, डॉक्टर एके दक्ष, सभासद मास्टर शराफत, सभासद नबील अहमद, खुर्शीद अहमद, डॉक्टर शौकीन मालिक, मास्टर सचिन त्यागी, आलम अंसारी, इमरान निज़ामी, कुलवीर चौधरी, महफूज उर्फ गुड्डा, प्रशांत कुमार, शकील प्रधान, शौकत अली, अली हसन, आदि मौजूद रहे।

जीडीए ने भेजे बकायेदारों को नोटिस

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। जीडीए अपने बकायेदारों को बकाया जमा कराने का नोटिस भेज रहा है, ताकि यह बकायेदार बकाया जमा कर सके। जीडीए अधिकारियों का कहना है कि संपत्ति अनुभाग की तरफ से सभी छोटे बड़े बकायेदारों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। जीडीए के विभिन्न योजना में 8,294 बकायेदार है, जिनपर करीब 465 करोड़ रुपये का बकाया है। अधिकारियों का कहना है कि इन बकायेदारों को नोटिस देकर बकाया जमा कराने को कहा जा रहा है। ताकि प्राधिकऱण में पैसा जमा हो सके। नोटिस में कहा जा रहा है कि अगर इसके बाद भी बकाया जमा नहीं किया गया तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अच्छे कर्मों और यज्ञ से मोक्ष मिल सकता है

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। राजेंद्र नगर स्थित आर्य समाज समर्पण शोध संस्थान में साप्ताहिक यज्ञ रविवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में ओमपाल शास्त्री और प्रमोद चौधरी ने वेदों की बातें समझाई और बताया कि अच्छे कर्मों और यज्ञ से मोक्ष मिल सकता है। यज्ञ में रामपाल चौहान, विनोद गुप्ता व रवि आर्य ने आहुतियां देकर धर्म लाभ उठाया।

विधायक ने आवास आवंटन में रिश्वतखोरी के दावे को सही बताया, शिवकुमार ने निंदा की

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक बी आर पाटिल ने शनिवार को कहा कि आवास के आवंटन में रिश्वतखोरी के बारे में उनके दावे सही हैं। वहीं, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने विधायक के बयान की निंदा की और स्पष्ट किया कि ऐसी बातें स्वीकार नहीं की जा सकतीं। कर्नाटक राज्य नीति एवं योजना आयोग के उपाध्यक्ष पाटिल ने आवास मंत्री जमीर अहमद खान के निजी सचिव सरफराज खान के साथ फोन पर बातचीत में मकानों के आवंटन में रिश्वतखोरी का आरोप लगाया था, जिससे राज्य में उनकी अपनी पार्टी की सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा हो गई। बातचीत का यह ऑडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं किसी भी कारण से इसे स्वीकार नहीं करता। मुझे समझ में नहीं आया कि उन्होंने (पाटिल ने) क्या कहा है। मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में आ गया है। वह आवश्यक कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, जब आवास आवंटन पारदर्शी तरीके से हो रहा है, तो कोई भी लाभार्थी पैसे कैसे दे सकता है निर्णय कौन लेता है यह जिम्मेदारी पंचायतों और स्थानीय निकाय के पास है। धन का यह मामला सरकार के मंत्री के पास कैसे आएगा उन्होंने (पाटिल) किस इरादे से कहा है यह ठीक नहीं है...मैं इसकी निंदा करता हूं। मुख्यमंत्री और मैं उनसे बात करेंगे। इस बीच, पत्रकारों से बातचीत में अलंद से कांग्रेस विधायक पाटिल ने कहा कि ऑडियो में उनकी आवाज है और उन्होंने सच कहा है। उन्होंने कहा, यह (ऑडियो में) मेरी आवाज है। मुझे जो कहना था, कह दिया है। मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री क्या करेंगे। अगर वह मुझे बुलाते हैं तो मैं जाकर उनसे बात करूंगा। यह पूछे जाने पर कि क्या मौजूदा सरकार में भ्रष्टाचार हुआ है, उन्होंने कहा, सभी सरकारों के दौरान यह (भ्रष्टाचार) हुआ है, लेकिन हम (कांग्रेस) जनहितैषी प्रशासन का वादा करके सत्ता में आए थे और ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या पैसा देकर आवास आवंटित किए गए, विधायक ने कहा कि सभी मामलों में नहीं, लेकिन पांच-छह पंचायतों में पैसा देकर मकान आवंटित किए गए। उन्होंने कहा, मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में मकानों के आवंटन के लिए चार पत्र दिए थे, लेकिन कुछ नहीं हुआ, लेकिन पंचायत अध्यक्षों ने यह काम करवा दिया। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को अपना नेता बताते हुए पाटिल ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री बुलाएंगे तो वह उनसे जाकर बात करेंगे।

विश्व योग दिवस पर सामूहिक योग आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज नगीना के परिसर में आयोजित योग कार्यक्रम में भाजपा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा नेता रोहित रवि होकर सहभागिता की और बताया कि योग हमारे शरीर के लिए हमारे लिए व हम सब के लिए अधिक महत्वपूर्ण है योग करने से हमारे शरीर मे किसी भी प्रकार की कोई बीमारी नहीं होती है और हमारा शरीर स्वस्थ रहता है।

ज़ब हम स्वस्थ रहेंगे तो हमें किसी भी तरह की बीमारियों का सामना करना नहीं पड़ेगा और मातृ शक्ति को भी बताते हुवे कहा की घर से बहार जाकर बहुत जरूरी नहीं अपने घर पर अपने भाई ,बहन, माता, पिता व घर के वालो के साथ मिलकर घर पर ही योग करे फिर हमारे शरीर मे जो होने वाली बीमारी होती है वो बीमारी नहीं होंगी और सभी आपस मे मिलकर है।

प्रेम भाव से रहे और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम को जो हर वर्ष की भाती हम मनाते आ रहे है ऐसे ही आगे भी मनाते रहेंगे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मे ज्यादा से ज्यादा बढ़ चढ़कर हिस्सा लेगे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम मे प्रधानाचार्य महेश, प्रबंधक संदीप शर्मा, अध्यक्ष प्रदीप गर्ग, कृष्ण, शिवा मिगलानी, सौरभ मित्तल, लवी मित्तल, प्रलाद कुशवाहा, अरुण शर्मा, संजय शर्मा, डॉ. भूपेश, विद्यालय के अध्यापक छात्र, छात्रा उपस्थित रहे।

शॉर्ट सर्किट से लगी रंग पेंट की दुकान में आग लाखों का नुकसान

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

शॉर्ट सर्किट से रंग पेंट की दुकान व गोदाम में आग लग गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जब तक दुकान में रखा सभी सामान जलकर खाक हो चुका था। दुकान व गोदाम में आग लगने से दुकान स्वामी को लाखों रुपए का नुकसान बताया जाता है।

जानकारी के अनुसार नहटौर धामपुर मार्ग स्थित ओबीसी बैंक के निकट राजीव पुत्र राजपाल निवासी ग्राम बसेडाखुर्द थाना धामपुर ने नवीन कुमार की दुकान व मकान किराए पर ले रखा है। ओर दुकान में रंग पेंट की दुकान व मकान में रंग पैंट का सामान भर रखा था। जबकि उसके ऊपर बने मकान में फोजिया नामक महिला किराए पर रहती है।

बताया जाता है कि बीती शाम राजीव दुकान व गोदाम को बंद कर अपने गांव चला गया था। शनिवार की प्रातः 7:00 बजे मकान व दुकान के ऊपर रह रही किराएदार फोजिया ने शोर मचाया मचा दिया कि गोदाम में आग लग गई है। जिससे वहां दर्जनों लोगों इकट्ठा हो गए और सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुची पुलिस ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

सूचना पर चांदपुर, धामपुर व नगीना से आई फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब 4 घंटे में आग पर काबू पाया। भीषण आग लगने से दुकान में रखा सभी सामान जलकर खाक हो गया।

सूचना पर दुकान स्वामी भी मौके पर पहुंच गए और दुकान का सभी सामान जिला देख उनके होश उड़ गए। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी दीपक चौधरी ने बताया कि संभावित है कि प्रथम दृष्टि शार्ट सर्किट से आग लगा प्रतीत हो रहा है।

घर नुमा गोदाम के अंदर पेट से जुड़े केमिकल के ड्रम व पेंट आदि सामान रखा हुआ था। जिसने आग पकड़ ली और विकराल रूप ले लिया। दीपक चौधरी ने बताया कि आंग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। बताया जाता हैं कि दुकान व गोदाम में 10 से 15 लाख से का सामान रखा हुआ था। आग लगने से दुकान स्वामी को लाखों की नुकसान हुवा है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में भी 2 लाख पुरानी गाड़ियों को 1 नवंबर से नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। गौतमबुद्धनगर जिले के पेट्रोल पंपों पर 1 नवंबर से दो लाख से अधिक गाड़ियों को पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा। ये वाहन अपनी समय सीमा पूरी कर चुके हैं। परिवहन विभाग ने इनका रजिस्ट्रेशन सस्पेंड कर दिया है। करीब 40 हजार वाहनों का रजिस्ट्रेशन निरस्त हो चुका है।

परिवहन विभाग के अनुसार, जिले में 208856 वाहन समय सीमा पूरी कर चुके हैं। दिल्ली-एनसीआर में एनजीटी का आदेश लागू होने के कारण इन गाड़ियों के दौड़ने पर पाबंदी है। इनमें से 13417 वाहनों को दिल्ली-एनसीआर से बाहर दूसरे जिले में ले जाने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी किया जा चुका है। वहीं, कबाड़ किए गए वाहनों की संख्या 17239 है। दिल्ली-एनसीआर से बाहर यूपी के 33 ऐसे जिले हैं, जिनमें पुराने वाहन चल सकते हैं। इनमें इटावा, संत कबीर नगर, कुशीनगर, जौनपुर, कन्नौज, बलिया, मैनपुरी, प्रतापगढ़, लखीमपुर, बदायूं, गाजीपुर, अमेठी समेत अन्य जिले शामिल हैं। पुराने वाहनों को लोग परिवहन विभाग से एनओसी लेकर इन जिलों में ले जा सकते हैं। यदि ये यहां दौड़ते मिलते हैं तो जब्त कर लिए जाएंगे।

लोग पुराने वाहन को दूसरे जिले में ले जाने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) ले सकते हैं। इसके लिए परिवहन विभाग की वेबसाइट पर आवेदन करना होगा। विभाग के अनुसार, सभी दस्तावेजों की जांच के बाद सात दिन में एनओसी जारी कर दी जाएगी। एनओसी के लिए फीस नहीं लगती है।

पेट्रोल पंपों पर आने वाले पुराने वाहनों को जब्त करने के लिए ट्रैफिक पुलिस की टीमें बनाई जाएंगी। डीसीपी ट्रैफिक लखन यादव ने बताया कि वैसे अभी इस मामले में आयोग की तरफ से कोई पत्र नहीं आया और न ही कोई बैठक हुई है। अपने स्तर से ट्रैफिक पुलिस पहले से ही पुराने वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई करती है। अब टीमें बनाकर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी ने बताया कि वर्ष 2024 में 10 साल पुराने डीजल के 93 और 15 साल पुराने पेट्रोल के 272 वाहन जब्त किए गए थे।

झगड़े के बीच पत्नी ने की आत्महत्या, मौत के बाद पति ने भी जहर खाकर दी जान

कन्नौज, एजेंसी। यूपी के कन्नौज में पति और पत्नी ने आत्महत्या कर ली। पहले पत्नी ने जहर खाया। पत्नी की मौत के बाद पति ने भी जहर खाकर जान दे दी। अंबेडकर नगर मोहल्ले में मामूली विवाद के चलते शनिवार को पहले पत्नी और फिर पति ने जहर खाकर जान दे दी। आए दिन दोनों में किसी न किसी बात को लेकर कहासुनी होती थी। पांच साल पहले दोनों ने प्रेम विवाह किया था। दोनों के बच्चे नहीं हैं। परिवार का कहना है कि दोनों के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ इसकी जानकारी नहीं है।

जानकारी के अनुसार अंबेडकर नगर निवासी 33 वर्षीय अरविंद कुमार कंप्यूटर की दुकान किए था। कई दिनों से उसका पत्नी शिवानी से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। शनिवार दोपहर भी दोनों आपस में झगड़ रहे थे। गुस्से में आकर शिवानी ने घर पर रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ी तो अरविंद उसे लेकर तिर्वा मेडिकल कॉलेज पहुंचा।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने को लेकर सख्त हुए फारुख अब्दुल्ला

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर को वापस राज्य का दर्जा बहाल करने को लेकर अब नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारुख अब्दुल्ला की हिम्मत जवाब देने लगी है। शनिवार को उन्होंने केंद्र सरकार को संकेत देते हुए कहा कि अगर राज्य का दर्जा बहाल करने में इसी तरह से देरी होती रही तो उनकी पार्टी के पास सुप्रीम कोर्ट जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। इससे पहले फारुख अब्दुल्ला के बेटे और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस सवाल पर कहा था कि उन्हें पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर भरोसा है वह जल्दी ही राज्य का दर्जा बहाल करेंगे। मीडिया से बात करते हुए फारुख अब्दुल्ला ने कहा, जम्मू-कश्मीर की सरकार को बने हुए आठ महीने हो गए हैं। मुझे उम्मीद है कि जब यहां राज्य का दर्जा बहाल होगा तो हमें अधिकार भी मिलेंगे.. हमारा रुख यह है कि हम राज्य का दर्जा मिलने का इंतजार कर रहे हैं लेकिन अगर इसमें इसी तरह से देरी होती रही तो हमारे पास सुप्रीम

कोर्ट जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा

जम्मू-कश्मीर की सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब उनकी पार्टी लगातार केंद्र के ऊपर राज्य का दर्जा बहाल करने का दबाव बना रही है। आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को रद्द कर दिया था और इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों के रूप में तोड़ दिया था। जिसमें एक हिस्सा जम्मू-कश्मीर है, तो वहीं दूसरा हिस्सा लद्दाख है।

शनिवार को एनसी के मुख्यालय पर हुए उनकी कार्यसमिति की बैठक में सभी सदस्यों ने एक जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे की बहाली के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। समिति के लोगों ने कहा कि विशेष दर्जा राज्य के लोगों की आकांक्षाओं और सम्मान का केंद्र है और इसे बिना किसी देरी के संबोधित किया जाना चाहिए। हम इसकी बहाली के लिए संघर्ष करना जारी रखेंगे। पार्टी ने संसद और सुप्रीम कोर्ट दोनों में की गई प्रतिबद्धताओं की ओर इशारा करते हुए पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के अपने आह्वान को भी दोहराया। एनसी ने कहा, कार्यसमिति ने भारत सरकार से जम्मू-कश्मीर को तुरंत पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भी आग्रह किया, जैसा कि संसद में वादा किया गया था, बार-बार सार्वजनिक रूप से भी दोहराया गया था, और सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने भी प्रतिबद्धता जताई थी।

नोएडा में पुलिस कमिश्नर का ऐक्शन, 2 थाना प्रभारी हटाए, 6 चौकी प्रभारी सस्पेंड

नोएडा , एजेंसी। गौतमबुद्ध नगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने अपराध रोकने में विफल दो थाना प्रभारियों को शुक्रवार रात हटा दिया। उन्होंने बीते दो महीने में अपराधियों के खिलाफ लचर कार्रवाई करने पर छह चौकी प्रभारियों को भी निलंबित कर दिया। उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संस्तुति भी की। कई थाना और चौकी प्रभारियों को काम में सुधार लाने की चेतावनी भी दी।

पुलिस कमिश्नर ने शुक्रवार रात दस बजे पुलिस अधिकारियों और सभी थाना प्रभारियों के साथ अपराध नियंत्रण को लेकर बैठक की, जिसमें मई और जून में अपराध नियंत्रण की समीक्षा की गई। इस दौरान पाया गया कि कुछ थानों द्वारा लगातार अपराधों पर नियंत्रण करने में लापरवाही बरती जा रही है।

पुलिस कमिश्नर ने समीक्षा बैठक के दौरान पाया कि दो माह में कुछ चौकी और थाना प्रभारी द्वारा अपराध नियंत्रण को लेकर लचर कार्य प्रणाली अपनाई गई। उन्होंने इस मामले में छह चौकी प्रभारियों को निलंबित कर उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की।

जिन चौकी प्रभारियों को निलंबित किया गया, उनमें सेक्टर-24 थाने की मोरना, सेक्टर-126 थाने की ओखला, सूरजपुर थाने की जुनपत, कासना की घंघोला, फेज दो की ककराला और नॉलेज पार्क थाने की एनपीएक्स चौकी के प्रभारी शामिल हैं।

देश में पहली बार बाघिन और तेंदुए के शावकों ने बर्ड फ्लू से जीती जंग

गोरखपुर, एजेंसी। देश में पहली बार बाघिन और तेंदुओं के शावकों ने बर्ड फ्लू से जंग जीती है। बिल्ली परिवार के वन्यजीवों में यह पहला मामला है, जब संक्रमित होने के बाद जानवरों की मौत नहीं हुई। बाघिन मैलानी और तेंदुए के दोनों शावकों की लगातार दो रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद चिड़ियाघर प्रशासन ने इस उपलब्धि पर शोध का फैसला लिया है। शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान में सात मई को बाघिन शक्ति की मौत बर्ड फ्लू से हुई थी। इसके बाद बर्ड फ्लू जांच के लिए चिड़ियाघर के वन्य जीवों के सैंपल राष्ट्रीय उच्च रोग पशु संस्थान भेजे गए, जहां से 23 मई को बाघिन मैलानी, तेंदुए के दो शावक, हिमालयन गिद्ध और दो कॉकाटील पक्षी में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई। चिड़ियाघर के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने इलाज शुरू किया। मैलानी, तेंदुए के दो शावक, हिमालयन गिद्ध और कॉकाटील पक्षी की दो बर्ड फ्लू की रिपोर्ट निगेटिव आ गई है।

वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ डॉ. यूसी श्रीवास्तव बताते हैं कि बिल्ली फैमिली में अगर बर्ड फ्लू का संक्रमण हुआ तो उनके फेफड़े तक संक्रमण तेजी से पहुंच जाता है, जिसके बाद उन्हें बचा पाना मुमकिन नहीं है। गोरखपुर चिड़ियाघर में बाघ और तेंदुए के शावक की रिपोर्ट निगेटिव आई तो इसका एक ही कारण हो सकता है कि संक्रमण फेफड़ों तक न पहुंचा हो।

डॉ. आरके सिंह बताते हैं कि देश में पहली बार ऐसा हुआ है जब जानवरों में फैलने वाली बर्ड फ्लू की दो-दो रिपोर्ट निगेटिव आई है। हिमालयन गिद्ध और कॉकाटील का बचना भी चमत्कार से कम नहीं है। पहली बार देश में ऐसी रिपोर्ट आई है। ऐसे में अब इस पर शोध किया जाएगा।

इटावा लायन सफारी के विशेषज्ञ डॉ. आरके सिंह बताते हैं कि पिछले साल दिसंबर में नागपुर चिड़ियाघर में बाघ और तेंदुओं में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई थी। उन्हें इलाज के दौरान बचाया नहीं जा सका था। बैंकॉक में भी एक बाघ में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई थी और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

बाघिन मैलानी की बर्ड फ्लू की दो रिपोर्ट तो निगेटिव आ चुकी हैं, लेकिन उसका खुराक बेहद कम हो गया है। जहां पहले वह 10 किलोग्राम के आसपास मांस खाती थी, अब यह खुराक ढाई से तीन किलो तक पहुंच गया है। इसके अलावा उसे दिखाई भी कम दे रहा है। हालांकि, पहले से वह स्वस्थ है। डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि उसकी खुराक बेहद कम हो गई है। वह कभी दो से तीन किलो मांस खा रही है, कभी एकदम नहीं खा रही है। सेहत पर नजर रखी जा रही है। वहीं, दूसरी तरफ तेंदुए के दोनों शावक पर्याप्त आहार ले रहे हैं और पूरी तरह स्वस्थ हैं।

अंतरजातीय विवाह पर गुस्साया समाज, परिवार के 40 सदस्यों का मुंडवाया सर

रायगढ़ , एजेंसी। ओडिशा के रायगढ़ जिले में एक अंतरजातीय विवाह के बाद एक परिवार को सामाजिक बहिष्कार और जबरन शुद्धिकरण का सामना करना पड़ा. गांव वालों ने जानवरों की बलि दी और परिवार के सदस्यों का मुंडन करवाया. प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है.

ओडिशा के रायगढ़ जिले के काशीपुर ब्लॉक के बैगनगुडा गांव में अंतरजातीय विवाह को लेकर एक मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाली घटना सामने आई है. गांव की एक युवती द्वारा अनुसूचित जाति के युवक से विवाह करने पर उसके परिवार को सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ा. इसके बाद गांव वालों ने लड़की के परिवार को तथाकथित शुद्धिकरण की प्रक्रिया से गुजरने के लिए मजबूर किया. इस प्रक्रिया के तहत जानवरों की बलि दी गई और परिवार के 40 सदस्यों का जबरन मुंडन कराया गया.

जानकारी के मुताबिक, बैगनगुडा गांव की युवती ने प्रेम विवाह कर पास के ही एक गांव के अनुसूचित जाति समुदाय के युवक से विवाह कर लिया. यह विवाह गांव के तथाकथित जातिगत मानदंडों के खिलाफ माना गया. विवाह के बाद युवती के परिवार और रिश्तेदारों को भारी सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ा.

ग्रामीणों ने युवती के परिवार पर दबाव बनाया कि अगर वे अपनी जाति में वापसी करना चाहते हैं, तो उन्हें पारंपरिक शुद्धिकरण प्रक्रिया से

गुजरना होगा. इस प्रक्रिया के तहत जानवरों की बलि दी गई और परिवार के 40 सदस्यों का जबरन मुंडन कराया गया. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, समुदाय ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक परिवार को सामाजिक तौर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा. दबाव में आकर लड़की के परिजनों और रिश्तेदारों ने इस अमानवीय और असंवैधानिक कृत्य को पूरा किया.

घटना की जानकारी मिलते ही काशीपुर ब्लॉक के बीडीओ विजय सोय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपने अधिकारियों को गांव में भेजकर जांच के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी. यह घटना न केवल सामाजिक रूप से चिंताजनक है बल्कि संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों और मानवाधिकारों का भी स्पष्ट उल्लंघन है. विवाह, वह भी सहज सहमति से किया गया अंतरजातीय विवाह, भारतीय संविधान के तहत पूरी तरह मान्य है, ऐसे विवाहों के कारण परिवारों को शुद्धिकरण के नाम पर बलि और मुंडन जैसी कुप्रथाओं से गुजरने के लिए मजबूर करना अमानवीय और असंवैधानिक है. फिलहाल प्रशासन की जांच जारी है और उम्मीद है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके.

बाइक सवार बदमाश ने युवक से मोबाइल लूटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। बेखौफ बाइक सवार बदमाश ने कविनगर थानाक्षेत्र के गोविंदपुरम में एक युवक से मोबाइल लूट लिया और फरार हो गया। युवक के पिता ने कविनगर थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर बदमाश की तलाश की जा रही है। नगर कोतवाली क्षेत्र के चंद्रपुरी निवासी देवेंद्र अग्रवाल ने कविनगर थाने में शिकायत देते हुए बताया कि उनका पुत्र चिराग अग्रवाल 19 जून को सीएनजी पेट्रोल पंप से गोविंदपुरम पुलिस चौकी की तरफ आ रहा था। इसी दौरान एक बाइक सवार ने उसका मोबाइल लूट लिया और फरार हो गया। उनके बेटे ने किसी से मोबाइल लेकर उन्हें जानकारी दी। इसके बाद वह मौके पर पहुंचे और कविनगर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। एसीपी कविनगर भास्कर वर्मा का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश को ट्रेस करने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

स्कूटी सवार युवकों ने दुकान संचालक की आंखों में फेंकी मिर्च

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना क्षेत्र में गुरुवार देर शाम स्कूटी सवार तीन युवकों ने परचून दुकान संचालक की आंख में मिर्च का पाउडर फेंक दिया। आरोप है कि बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम देने के लिए मिर्च का पाउडर फेंका था। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। लोनी गिरी मार्केट कालोनी में अखलाक रहते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी दिल्ली सहारनपुर रोड पर परचून की दुकान है। वह गुरुवार रात करीब नौ बजे दुकान बंद कर घर की ओर जा रहे थे। जब वह चौधरी मैरिज होम के सामने पहुंचे तो एक स्कूटी पर सवार तीन युवकों ने उनकी आंख में मिर्च का पाउडर फेंक दिया। उनके द्वारा शोर मचाने पर आसपास के लोग व राहगीर एकत्र हो गए, जिस पर स्कूटी सवार बदमाश फरार हो गए। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि दुकान संचालक की शिकायत पर तीन अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। दुकान संचालक पूछताछ के दौरान बयान बदल रहा है।

सड़क हादसे में युवक की मौत के मामले में केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। कोतवाली क्षेत्र में 30 मई को हुए सड़क हादसे युवक की मौत के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। घटना के संबंध में मृतक के भाई ने शिकायत दी थी। पुलिस का कहना है कि आरोपी चालक को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। जनपद श्रावश्ती के ग्राम बेलवा थाना भिगा निवासी अनिल कुमार का कहना है कि उनका छोटा भाई सोनू 30 मई को साजन कट जीटी रोड पर जा रहा था। इस दौरान अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए सोनू को जिला एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया था। अनिल कुमार का कहना है कि हादसे के बाद से ही वह लगातार उस वाहन की तलाश में लगे हुए थे, जिससे हादसा हुआ था। वाहन का कुछ पता न चलने पर उन्होंने 19 जून को नगर कोतवाली में शिकायत दी। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

रिश्तेदारी में गई किशोरी संदिग्ध हालात में लापता

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के भोजपुर थानाक्षेत्र के एक गांव में मौसा के घर आई 15 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने एक युवक पर अपहरण करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिला मेरठ के इचौली थाने के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसकी 15 वर्षीय पुत्री अपने मौसा के घर गई थी, जहां से वह लापता हो गई। उन्होंने गांव निवासी सचिन पर अपहरण का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

गांजा तस्करी का आरोपी पकड़ा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। इंदिरापुरम थाना पुलिस ने गांजा तस्करी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी जफर अली निवासी कनावनी है, जिससे रविवार सुबह घर के पास से आधा किलो गांजा पुड़ियों में रखा बरामद हुआ है।

दहेज के लिए पत्नी को पीटा, हुआ गर्भपात

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। खोड़ा स्थित मायके में रह रही महिला ने पति, सास व देवर पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है। आरोपियों ने कुछ दिन पहले पीड़िता से मारपीट की, जिसके चलते उनका गर्भपात हो गया। खोड़ा थाने में शनिवार को रिपोर्ट दर्ज की गई है। पीड़िता की शादी करीब छह साल पहले हुई थी। आरोप है कि ससुराली शादी के बाद ही दो लाख रुपये और आल्टो कार की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर आए दिन मारपीट की जाने लगी। इसी बीच वह गर्भवती हुईं, लेकिन ससुराली दहेज की मांग करते रहे। करीब चार माह पूर्व तीनों ने मिलकर उनसे मारपीट की, जिस कारण गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। तभी से वह मायके में रह रही हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्पीड पोस्ट जल्द भिजवाने के चक्कर में एक लाख गंवाए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। स्पीड पोस्ट जल्दी भिजवाने के चक्कर में सिहानी गेट क्षेत्र के युवक ने एक लाख रुपये गवां दिए। जालसाजों ने पांच रुपये के भुगतान के लिए डेबिट कार्ड की डिटेल लेकर फर्जीवाड़े को अंजाम दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सिहानी गेट थाना क्षेत्र के आनंद विहार निवासी भूपेंद्र किशोर का कहना हे कि उसने एक स्पीड पोस्ट अपने गांव भेजा था। वह स्पीड पोस्ट को ट्रेस करने के लिए 16 मई 2026 को गूगल पर सर्च कर रहा था। पीड़ित के अनुसार उसी दौरान उसके पास एक कॉल आई, जिसका नंबर अब उसके पास नहीं है। फोन करने वाले ने उसे बोला कि

माता-पिता व भाई ने प्लॉट के नाम पर 32 लाख ठगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

महिला ने खोड़ा थाने में माता-पिता व भाई समेत 23 लोगों पर प्लॉट के नाम पर 32 लाख रुपये की धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता से पैसे लेकर मां के नाम पर प्लॉटों का बैनामा करा लिया और मां के नाम से दूसरे लोगों को फर्जी बैनामे कर संपत्ति से कब्जा छीन लिया।

खोड़ा में रहने वाली शशि देवी की मां संतोष देवी, पिता सोहनपाल व भाई जितेंद्र ने सात साल पहले उन्हें बताया कि राठी सेवा संस्थान के कर्ताधर्ता मनोज कुमार माहेश्वरी के राजीव नगर, खोड़ा कॉलोली में एक मकान व दो प्लॉट हैं, जिन्हें 44 लाख रुपये में खरीद सकते हो।

इसके लिए तुम अपना संगम पार्क वाला मकान बेच दो। शशि ने पहले 12 लाख रुपये में सिर्फ एक प्लॉट खरीदा और तीनों के दबाव देने पर पति की मर्जी के बिना मकान बेचकर 32 लाख रुपये मनोज कुमार माहेश्वरी को दे दिए।

एग्रीमेंट के नाम पर उनके कई दश्तावेजों पर हश्ताक्षर ले लिए। इसके बाद वह प्लॉट पर काम कराने गईं तो आसाराम उर्फ आसे, गजे सिंह, हरीश, सतीश, मनोज देवी, सरोज, बबली, रेनू, पूनम, संगीता, हरीश, संदीप वाल्मीकि उर्फ मोनू, राजवीर, बीर सिंह उर्फ राकेश, ममता, राकेश देवी, वेदपाल वाल्मीकि उर्फ बेदी, रेखा राजपूत, जय उर्फ डब्बू व धर्मवीर समेत कई लोग आए और फर्जी बैनामा दिखाकर प्लॉट को अपना बताया और उनके पति के साथ मारपीट कर तोड़फोड़ का प्रयास किया।

मायके वालों से उन्होंने बात की तो जल्दी बैनामा कराने को आश्वासन दिया। इसी बीच पता चला कि दोनों प्लॉट का बैनामा मां के नाम करा लिया है। इस बारे में पूछने पर कहा कि तुम अपनी ननद के ऑपरेशन के चलते नहीं थीं और मनोज विदेश जा रहा था।

इसीलिए बैनामा करा लिया। अभी कोर्ट का केस चल रहा है। इसके खत्म होते ही तुम्हें गिफ्ट डीड कर देंगे। बीते दिनों आसाराम फिर से प्लॉट पर आया और कहा कि तेरी मां ने एक प्लॉट मुझे बेच दिया है। उन्होंने मायके वालों से पूछा तो मौके पर आने से साफ मना कर दिया।

जांच करने पर पता चला कि मां ने 20 लाख रुपये लेकर आसाराम को फर्जी दश्तावेज के आधार पर प्लॉट बेच दिया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस आयुक्त को शिकायत की।

सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव ने बताया कि एंटी फ्रॉड सेल की जांच के आधार पर 23 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी व फर्जीवाड़े की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। छानबीन कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भूखंड के नाम पर 40 लाख रुपये ठगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में भूखंड बेचने के नाम पर दंपति ने एक व्यक्ति से 40 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर शनिवार को रिपोर्ट दर्ज की गई है।

वसुंधरा सेक्टर पांच में रहने वाले सूक्ष्म त्यागी ने सेक्टर पांच में ही अर्चना त्यागी व उनके पति तरुण त्यागी से एक भूखंड खरीदने का सौदा किया था। दंपति ने अपने भूखंड से एक चौथाई हिस्से का बैनामा करने की बात कही, जिसके लिए पीड़ित ने 40 लाख रुपये दे दिए। आरोप है कि दंपति ने पूरे भूखंड के असली दश्तावेज दिखाए थे।

बैनामा कराने में भी उनके पांच लाख रुपये खर्च हुए। इसके बाद उन्होंने म्यूटेशन कराने की प्रक्रिया शुरू की तो पता चला कि भूखंड के मूल दश्तावेज लोन के कारण बैंक में बंधक हैं। पीड़ित का आरोप है दंपति ने इसी तरह एक चौथाई हिस्सा दो और लोगों को भी बेचा और हकीकत का पता चलने से पहले ही संपत्ति का बचा हुआ हिस्सा उनके साथी संजीव कुमार त्यागी को बेच दिया।

बैंक से संपर्क करने पर पता चला कि भूखंड लोन के लिए बंधक है, जिसे बिना लोन चुकाये नहीं दिया जा सकता। पीड़ित का कहना है कि बैंक में बंधक होने के बाद भी आरोपी ने असल बैनामा उन्हें दिखाया था। साफ है कि इसमें बैंककर्मियों की भी मिलीभगत है। सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव का कहना है कि शिकायत पर दंपति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दरोगा के नाम और फर्जी साईन कर खाता बंद कराया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कविनगर थानाक्षेत्र में गाजियाबाद से ट्रांसफर हो चुके दरोगा के नाम और फर्जी हश्ताक्षर से एक महिला का बैंक खाता बंद कराने का मामला सामने आया है। दरोगा द्वारा आईजीआरएस डालने के बाद कविनगर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में तैनात उपनिरीक्षक रामपाल सिंह का कहना है कि इससे पूर्व एक मई 2025 तक वह गाजियाबाद कमिश्नरेट में कार्यरत रहे। 22 मार्च 20225 से एक मई 2025 तक उनकी तैनाती कविनगर थाने में बतौर उपनिरीक्षक रही। रामपाल सिंह के मुताबिक 22 मई 2025 को कविनगर थाने के वरिष्ठ उपनिरीक्षक तेजवीर सिंह ने उनके व्हॉट्सऐप पर एक प्रार्थना-पत्र भेजा।

उसमें बताया गया कि उनके द्वारा 15 मई 2025 को सुमन देवी पत्नी विनोद कुमार सिंह का बैंक खाता बंद कराने के संबंध में रिपोर्ट भेजी गई है। रामपाल सिंह का कहना है कि उन्होंने शास्त्रीनगर शाखा प्रबंधक के नाम प्रेषित प्रार्थना-पत्र का अवलोकन किया तो वह न तो उनके द्वारा लिखा गया था और न ही उस पर उनके हश्ताक्षर थे। प्रार्थना-पत्र पर किए फर्जी हश्ताक्षर उनके असल हश्ताक्षर से दूर-दूर मिलान नहीं खाते। उपनिरीक्षक का आरोप है कि अज्ञात व्यक्ति ने उनके नाम का दुरूपयोग करते हुए फर्जी हश्ताक्षर से सुमन देवी का खाता बंद कराया है। रामपाल सिंह का कहना है कि जब गाजियाबाद कमिश्नरेट से उनकी रवानगी एक मई 2025 को की जा चुकी है, ऐसे में वह 22 मई को गाजियाबाद से संबंधित किसी मामले में बैंक खाता बंद करने के रिपोर्ट क्यों भेजेंगे। फर्जीवाड़े के संबंध में उपनिरीक्षक रामपाल सिंह ने आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराई। थाने के ही दरोगा का कारनामा पुलिस सूत्रों के मुताबिक गाजियाबाद से रवानगी के बाद दरोगा के नाम और हश्ताक्षर से बैंक खाता बंद कराने का कारनामा कविनगर थाने में ही तैनात एक दरोगा ने किया है।

थाना पुलिस ने बैंक की सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो दरोगा उनमें कैद मिला। बताया जा रहा है कि जानकारी जुटाई जा रही है कि आरोपी दरोगा की क्या मंशा रही, जिस महिला का खाता बंद कराया गया वह कौन है तथा दरोगा ने जिले से बाहर जा चुके दरोगा के नाम और हश्ताक्षर का इश्तेमाल क्यों किया। सीओ भास्कर वर्मा का कहना है कि 22 जून को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी तथा अन्य धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कादराबाद सरकारी अस्पताल में सड़ रहे गंदे कपड़े, शराब की बोतलें

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

थाना क्षेत्र के गांव कादराबाद में स्थित पीएचसी सरकारी अस्पताल बना लापरवाही और भ्रष्टाचार का अड्डा।,करीब लगभग पांच वर्ष से सड़ रहे गंदे कपड़े, शराब की बोतलें।

डॉक्टर के कमरे में भरा भूसा, 24 घंटे डॉक्टर नदारद रहने पर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर उच्च अधिकारियों से जांच कारवाई किये जाने की मांग की है।

ग्राम कादराबाद स्थित सरकारी अस्पताल की हालत इतनी शर्मनाक हो चुकी है कि वह अब इलाज का नहीं, बल्कि गंदगी और गैर-जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लगभग पिछले पांच वर्षों से अस्पताल में नवजात बच्चों के लिए इश्तेमाल होने वाले गंदे कपड़ों का ढेर लगा हुआ है। डिलीवरी कक्ष के पास में पड़े हुए हैं जिन्हें आज तक वहां से उठाया नहीं गया और वहां पर बहुत ज्यादा बदबू एवं गंदगी हो रही है। अस्पताल परिसर में गंदगी का यह आलम है, जहां तैनात स्टाफ की उदासीनता साफ नजर आती है।

अस्पताल के कमरों में शराब की बोतलें और फ्रूटी के पैकेट पड़े मिले हैं,। जिससे स्पष्ट है कि यह केंद्र अब अराजकता और लापरवाही का अड्डा बन कर चुका है। सबसे शर्मनाक दृश्य डॉक्टर के कमरे में मिला, जहां दवाओं या उपकरणों की जगह भूसा भरा हुआ पाया गया।, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। सबसे बड़ी समस्या यह है कि अस्पताल में 24 घंटे कोई डॉक्टर मौजूद नहीं रहता। ग्रामीण मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है। जिससे गरीब वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है।

मौके पर पहुंचे शिवसेना के जिला अध्यक्ष चौधरी संजय राणा,कुलदीप सिंह,महेंद्र सिंह, देशपाल, चंद्रपाल, मनवीर सिंह यादव, रजत कुमार, हरि कुमार, तिरपाल सिंह तथा काले मिस्त्री ने जब अस्पताल की दुर्दशा देखी। सभी लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा है कि योगी सरकार की नीयत साफ है।

लेकिन नीचे बैठे अफसर और कर्मचारी योजनाओं की जड़ें खोद रहे हैं। यहां का हाल देखकर लगता है जैसे अस्पताल नहीं, किसी उपेक्षित गोदाम में कदम रख दिया हो। ए.एन.एम लता नेगी ने बताया कि वह हाल ही में तैनात हुई हैं, और कार्यभार ग्रहण करते ही उन्होंने ब्लॉक कासमपुरगढ़ी को अस्पताल की स्थिति से अवगत करा दिया था।

उन्होंने यह भी बताया कि इनवर्टर, पंखा और मरीजों के बैठने की व्यवस्था उन्होंने अपनी जेब से करवाई है।, फिर भी अब तक शासन की ओर से कोई सहायता नहीं मिली। शिवसेना नेताओं ने चेतावनी दी है कि अगर हालात में जल्दी सुधार नहीं हुआ, तो ज़िलेभर में आंदोलन छेड़ा जाएगा, और यह मुद्दा शासन तक पहुंचाया जाएगा।

अब सवाल ये है जब सरकारी अस्पताल भूसे, गंदगी और शराब से भरे हों और डॉक्टर तक मौजूद न हो, तो गरीब जनता अपने इलाज के लिए जाए तो जाए कहां?

पश्चिम में बहने वाली नकटा नदी में डूब कर 12 वर्षीय बालक की हुई मौत

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

रविवार सुबह बारिश के कारण नकटा नदी में पानी आने की वजह से दोश्तों के साथ नहाने गए 12 वर्षीय बालक की डूबकर हुई मौत, 4 घंटे तक तलाश के बाद भी नही मिली सफलता।

सुबह पहाड़ों व आपस के क्षेत्रो में हुई वर्षा के कारण बढ़ापुर के समीप पश्चिम में बहने वाली नकटा नदी में तेज पानी आया जो की सुबह से ही काफी गति के साथ बह रहा था। अपराह्न लगभग 3:00 बजे के करीब पानी का बहाव कुछ कम हुआ, और आसपास के कुछ बच्चे पानी में नहाने के लिए जाने लगे। जिनमें से एक 12 वर्षीय बालक नाजिम पुत्र वासिक निवासी मोहल्ला भजड़ावाला भी बच्चों के साथ नहाने चला गया।

बढ़ापुर कुंजेटा मार्ग पर रपटे के समीप नदी में एक गहरा कुंड होने की वजह से नाजिम कुंड में डूबने लगा। जिससे साथ नहा रहे लड़कों ने शोर मचाया। और आसपास के कुछ लोग नदी में कूद गए 12 वर्षीय बालक नाजिम को ढूंढने के लिए लगभग तीन घंटे कस्बे के तमाम तैराकों ने भर्षक प्रयास किया। लेकिन 3 घंटे बीतने के बाद भी बच्चे का कहीं पता नहीं लगा।

पानी अधिक होने के कारण व कुंड गहरा होने की वजह से तैराकों ने काफी प्रयास किया लेकिन असफल रहे। कस्बे के तमाम लोग नदी के दोनों और एकत्र हो गए सूचना पर थाना प्रभारी मृदुल कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

कुछ समय के बाद नगीना पुलिस क्षेत्र अधिकारी अंजनी कुमार भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी की। समाचार समाचार भेजे जाने तक एनडीआरएफ की टीम को मदद के लिए फोन पर थाना प्रभारी के द्वारा संपर्क किया गया।

व्यापारी से लूट के मामले में नगीना पुलिस ने बदमाशों को भेजा जेल

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

अकबराबाद से दुकान बंद कर अपने घर जा रहे व्यापारी के साथ बदमाशों द्वारा मारपीट करने के मामले में पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया।

आजम पुत्र मौ. अश्ता निवासी ग्राम अलीपुरा जट थाना नगीना के द्वारा एक प्रार्थना पत्र उपलब्ध कराया गया। जिसमें 11 जून 2025 को ग्राम अकबराबाद थाना कोतवाली देहात, में स्थित अपनी परचून की दुकान से अपनी आल्टो कार नम्बर LIP2000151 वापस अपने घर आ रहा था कि रात्रि समय करीब 22.10 बजे ग्राम अलीपुरा जट से करीब 300 मीटर पहले कुछ अज्ञात बदमाशों द्वारा वादी की गाड़ी को रोककर लाठी-डंडों से मारपीट कर वादी को घायल कर उसके 80,000/-रुपये लूट कर ले जाने व वादी की कार को क्षतिग्रश्त कर दिया गया।

वादी मुकदमा द्वारा स्वयं के साथ इस घटना को कारित कराने में पूर्व की रंजिश के आधार पर शक में अरशद पुत्र बाबू हफ़ीज़ निवासी ग्राम अलीपुरा जट थाना नगीना जिला व कुछ अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 126(2)/324(4)/115(2)/309 (4) बी०ए०एस० पंजीकृत कराया गया। जिसकी विवेचना धाना प्रभारी नगीना, करने पर जनपदीय सर्विलांस टीमःस्वाट टीम व थाना स्थानीय पुलिस के अधक प्रयासों के उपरान्त घटना का सफल अनावरण किया गया। घटना कारित किये जाने में कुल 09 अभियुक्तगण का शामिल होना पाया गया ।जिनमे से 07 अभियुक्तरण को गिरफ्तार किया गया है।

कुछ समय पूर्व बाईश्तया अभियुक्त के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मारपीट करने का प्रकरण प्रकाश में आया ।जिसकी थाना स्थानीय को कोई सूचना नहीं दी गयी। बाईश्तवा अरशद को अपने साथ मारपीट कराने का शक वादी मुकदमा मौ. आजम के ऊपर हुआ।

बाईश्तवा अरशद द्वारा अपने साथ हुई मारपीट के सम्बन्ध में अपने दोश्त लुकमान उर्फ सदाम पुत्र याकूब निवासी ग्राम अलीपुरा जट थाना नगीना से बात की और मौ० आजम को सबक सिखाने के उद्देश्य से आजम के साथ मारपीट कराने में मदद मांगी, किन्तु लुकमान उर्फ सददाम द्वारा सीधे-सीधे मारपीट करने में शामिल होने से मना कर दिया गया व बाईश्तवा अरशद को बताया कि मेरे कुछ मिलने वाले लड़के है। जिनसे में तेरा यह काम को करवा दूंगा। इसके लिए उन लडकों को दावत दे देना, बाईश्तवा अरशद इस बात के लिये तैयार हो गया और लोगों की दावत के लिये अरशद ने 9,000/- रुपये लुकमान उर्फ सद्दाम को दे दिये।

लुकमान उर्फ सदाम ने अपने दोश्त विकुल शर्मा उर्फ लकी पुत्र जगमोहन शर्मा निवासी ग्राम नारायणपुर रामजी उर्फ तेलीपुरा थाना नगीना से इस सम्बन्ध में बात की तो विकुल शर्मा उर्फ लक्की व उसके दोश्त कार्तिक कश्यप पुत्र चन्द्रपाल, सत्यम कश्यप पुत्र कल्याण उर्फ काले निवासीगण ग्राम नारायणपुर रामजी उर्फ तेलीपुरा थाना नगीना मौ० जाबिर पुत्र खुशीद अहमद निवासी मौ० शाहजहीर कस्बा व थाना नगीना, राजकुमार उर्फ राजा पुत्र नरेन्द्र सैनी निवासी धाम नेजोवाली गांवडी थाना नगीना , इस काम के लिये तैयार हो गये। वादी मोहम्मद आजम

का अपनी परचून की दुकान ग्राम अकबराबाद से चलने की फोन द्वारा सूचना दिये जाने की जिम्मेदारी मौ फरमान पुत्र मौहम्मट असगर, सलीम पुत्र नफीस शाह निवासीगण ग्राम अलीपुरा वट थाना नगीना, बिजनौर को दी गयी।

इन सभी ने मिलकर आपस में एक राय होकर सुनियोजित तरीके से वादी मुकदमा से बाईश्तवा अरशद की रंजिश का बदला लेने के उद्देश्य से दिनाक 11 जून 22.10 बजे पर वादी की कार को राश्ते में रोककर वाडी मौ० आजम के साथ लाठी डंडों से मारपीट कर उसे घायल कर उसकी गाड़ी को क्षतिग्रश्त किया गया और सभी लोग मौके से भाग गये। जिनमें से अभि अरशद पुत्र बाबू हफ़ीज़ निवासी ग्राम अलीपुरा जट थाना नगीना जिला, लुकमान उर्फ सद्दाम पुत्र याकूब निवासी ग्राम अलीपुरा जट थाना नगीना, विकुल शर्मा उर्फ लकी पुत्र जगमोहन शर्मा निवासी ग्राम नारायणपुर रामजी उर्फ तेलीपुरा थाना नगीना, मौ० जाकिर पुत्र खुर्शीद अहमद निवासी मौहल्ला शाहजहीर कस्बा व थाना नगीना (गिरफ्तार) मौ फरमान पुत्र मौहम्मद असगर निवासी ग्राम अलीपुरा जट थाना नगीना, सलीम पुत्र नफीस शाह निवासीगण ग्राम अलीपुरा जट बाना नगीना, एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया गया है तथा 2 अभि० फरार है।

70 लाख से बदलेगी कॉलेज की तस्वीर

✷ एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷

किरतपुर कांच नगरी के नाम से जाना जाता है यहां के इत्र की महक देश-विदेश तक जाती है इसी प्रकार इस विद्यालय द्वारा दी जाने वाली शिक्षा की महक देश-विदेश में जाएगी यह कहना है केंद्रीय कौशल विकास उद्यमिता शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार जयंत चौधरी का व शनिवार की सुबह लगभग 11:00 बजे स्थानीय मुस्लिम इंटर कॉलेज में सरकार के प्रोजेक्ट अलंकार योजना के तहत नव निर्माण होने वाले भवन का शिलान्यास कर रहे थे।

इस अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके चीफ गेस्ट जयंत चौधरी रहे अध्यक्षता रालोद के प्रदेश संगठन मंत्री अजीत राठी युवा रालोद नेता शोएब चौधरी ने संयुक्त रूप से किया ।इस अवसर पर बोलते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि सरकार द्वारा योजना चलाई जा रही है जिसका अंतर्गत 75 वर्ष पूरे कर चुके उन विद्यालयों की जर्जर हो चुकी बिल्डिंग का नवनिर्माण करने के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रुपया मंजूर किया जा रहा है। इसी के तहत महात्मा गांधी मेमोरियल मुस्लिम इंटर कॉलेज किरतपुर को 70 लख रुपए की धनराशि मंजूर की गई है।

नवनिर्मित बिल्डिंग का शिलान्यास करने में यहां आपके बीच पहुंचा हूं जयंत चौधरी ने आगे कहा कि मेरे पूजनीय दादा भारत रत्न चौधरी चरण सिंह कहा करते थे कि किसान की एक आंख खेत के मेंढ़ पर होनी चाहिए तो दूसरी आंख सत्ता के गलियारो दिल्ली व लखनऊ में होनी चाहिए। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वह अपने बच्चों का शिक्षा जरूर दिलाए और राजनीति में भागीदारी करें।

बिजनौर सांसद चंदन सिंह चौहान ने कहा कि इस प्रोजेक्ट की फाइल वर्षो से नीचे दबी हुई थी जिसे मंत्री जयंत चौधरी ने विशेष ध्यान देकर अमली जामा पहनाया है, इस योजना का लाभ क्षेत्र के विद्यार्थियों को जरूर मिलेगा कार्यक्रम संयोजक काज़ी तारिक अली ने कहा कि इस विद्यालय की बुनियाद उनके मरहूम वालिद काजी हाफिज शफ़ात ने अपने साथियों के साथ मिलकर रखी थी वह दौर अंग्रेजी हुकूमत का दौर था उस समय जो पौधा लगाया गया था वह अब वट वृक्ष बन गया है प्रोजेक्टर योजना का लाभ मिलने के पश्चात इसमें चार चांद लग जाएंगे विद्यालय के प्रधानाचार्य कैप्टन मजहर नामी ने कहा कि इस विद्यालय में शिक्षा ले चुके छात्र अपने-अपने क्षेत्र में विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं उन्होंने स्टाफ द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में जो मेहनत की है वह काबिले तारीफ है ,

रालोद के युवा नेता चौधरी शोएब ने कहा कि जयंत चौधरी हमारे प्रिय नेता है पार्टी सुप्रीमो होने के बावजूद भी वह छोटे-छोटे नेताओं से दिल खोलकर मिलते हैं जिसका सबूत इस कार्यक्रम मे देखने को मिल रहा है ,इससे पूर्व जयंत चौधरी को बड़ी माला पहनाई गई।

काज़ी तारिक अली ने जयंत चौधरी को चांदी का मुकुट पहनाकर जोरदार स्वागत किया उनके आगमन पर ढोल नगाड़े बजाए गए ऊर्जा से भरपूर रालोद कार्यकर्ता आरएलडी जिंदाबाद जयंत चौधरी जिंदाबाद के गगन भेदी नारे लगा रहे थे\।

मामूली बारिश से बेगम सराय की सड़कों की हालत बदतर

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

नगर में रविवार को हुई मामूली बारिश के बाद मोहल्ला बेगम सराय सहित गाजी नगर में जलभराव की समस्या ने एक बार फिर नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन इलाकों में सड़कें फिर से कीचड़ और गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। जिससे आमजन की आवाजाही बेहद मुश्किल हो गई है।

नगर वासियों ने डीएम बिजनौर से समस्या का समाधान कराने की मांग की है। रविवार को नगर के मोहल्ला बेगम सराय व गाज़ी नगर निवासी हाजी इदरीस, गयासुद्दीन, सलाउद्दीन, हाशिम, फरीद, हनीफ, जाकिर, इरशाद, महताब, नसीम, सनव्वर, नवाब, शहजाद, आज़म, मुजम्मिल, अकबर, यामीन अहमद तथा हाफ़िज़ अतीक का कहना है।

नगर में हल्की बारिश हो जाने से सड़कों की हालात बुरी तरह से खराब हो जाती है। उनका कहना है कि हम सभी लोगों के वोट नगर पालिका अफजलगढ़ सीमा में आते हैं। जबकि अफजलगढ़ पालिका द्वारा मौहल्ले में सड़कों की सुविधा नहीं दी जाती तो पालिका अफजलगढ़ चुनाव के दौरान पालिका अध्यक्ष पद के दावेदार गाज़ी नगर कालोनी सहित मोहम्मद बेगम सराय के वासियों से वोट क्यों मांगती है। आखिर किस आधार पर वोट दर्ज करवाए जाते है। जब बुनियादी सुविधाएं तक मुहैया नहीं करवाई जातीं। सड़कें खराब होने से सबसे ज़्यादा परेशानियां नमाज़ पढ़ने जाने वाले लोगों, स्कूली बच्चों और राहगीरों को उठानी पड़ रही हैं।

मोहल्ले वासियों का कहना है कि कई कार्यकालों से जन-प्रतिनिधि द्वारा केवल वोट लेकर गायब हो जाते है। लेकिन कॉलोनी की हालत जस की तस बनी हुई है। मौहल्ले वासियों ने डीएम बिजनौर से मौहल्ला बेगम सराय में स्थित गाज़ी नगर में खराब पड़ी सड़कों की समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

दबंगई प्रधान अशरफ को नगीना देहात पुलिस ने किया गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नगीना सादात ✷

रायपुर के ग्राम कमरुद्दीन नगर के मौजूदा प्रधान अशरफ अपनी दबंगई के कारण क्षेत्र में फेमस है। इसी कारण ग्राम प्रधान ने अपने ग्रामीण क्षेत्र के कुछ ग्रामीणों को किसी मामले में अपने घर पर फैसले के लिए बुलाया था।

ग्रामीणों के बीच फैसले को लेकर विवाद खड़ा हो गया। जिसमें आरोप है कि ग्राम प्रधान अशरफ, उनके पुत्र मोहसिन और उनके भतीजे ने लतीफ और उनके पुत्रों के साथ मारपीट की और धारदार हथियार से हमला किया। जिसमें ताहिर इतना घायल हो गया कि उसे मेरठ रेफर करना पड़ा।

वाजिद घायल हो गया वादी लतीफ ने 11 जून को थाना नगीना देहात में प्रधान के खिलाफ तहरीर दी की उनके पुत्र वाजिद और ताहिर को ग्राम प्रधान के द्वारा प्लानिंग के तहत जान से मारने की कोशिश की गई। तत्काल ही थाना नगीना देहात प्रभारी संजय जी ने मुकदमा दर्ज कर इंक्वायरी बैठा दी।

कारवाई के दौरान ग्राम प्रधान अशरफ पुत्र अब्दुल रहमान और सलीम पुत्र अब्दुल रहमान को चौकी प्रभारी त्रिवेंद्र सिंह के द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। घटना में प्रयुक्त 2 डंडे बरामद किए गए है। थाना प्रभारी के मुताबिक अभी पांच अभियुक्त फरार है उन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

संपादकीय

फिर लहराया देश का कूटनैतिक परचम

समूची दुनिया में जंग के हालात पैदा होते जा रहे हैं। कहीं सत्ता के लिए गृह युद्ध की परिस्थितियां हैं तो कहीं पडोसियों के साथ संघर्ष का माहौल है। कहीं वर्चस्व की लडाई हो रही है तो कहीं अहंकार का परचम फहरा रहा है। ऐसे में व्यक्तिगत जीवन को विलासता के हिडोले पर पहुंचाने के लिए विदेशों में जाकर नौकरियां करने से लेकर शिक्षा लेने वालों की भीड अब देश के लिए संकट बनती जा रही है। स्वयं के निर्णय पर परदेश जाने वाले जब वहां संकट में घिर जाते हैं तब उनके परिजनों से लेकर विपक्षी नेताओं तक का दबाव सरकार पर डाला जाने लगता है।

सुरक्षित वापसी का जिम्मा सरकार पर थोपा जाता है। इन प्रयासों में आने वाला खर्च भी टैक्सदाताओं की खून-पसीने की कमाई से चुकाया जाता है। विदेश नीति के तहत सरकार के कूटनैतिक प्रयास तेज किये जाते हैं। अतीत गवाह है कि रूस-यूक्रेन जंग में वहां से भारतीयों को निकालने में सरकार को भारी मसक्कत का सामना करना पडा था। उस दौरान नापाक धरती के वासिन्दों तक ने भारतीय झंडे की आड में सुरक्षित वापिसी की थी। उसकी पुनरावृत्ति एक बार फिर हो रही है। इजरायल-ईरान युद्ध छिड गया। वहां पर फंसे लोगों को निकालने का एक बार फिर दबाव बनाया गया।

सरकार ने 'आपरेशन सिंधु' के तहत कूटनैतिक प्रयासों से लेकर निजी संबंधों तक की दुहाई दी। परिणामस्वरूप केवल भारतीयों के लिए ही ईरान से एयर स्पेस खोला। वहां के भारतीय दूतावास के माध्यम से नागरिकों को पहले अर्मेनिया और फिर कतर के राश्ते स्वदेश लाया गया था किन्तु अब ईरान की महन एयर की चार्टेर्ड फ्लाइट्स का उपयोग किया जा रहा है। अभी तक तीन चरणों में लोगों की वतन वापिसी हुई है।

दहशत के माहौल से वापिस आने वालों ने देश में पहुंचते ही सरकार को सुख-सुविधाओं की सूची पकडा दी। घरों तक पहुंचने के लिए बसों से यात्रा नहीं करेंगे, हवाई यात्रायें उपलब्ध कराई जायें, आरामदायक विश्राम हेतु आवास दिया जाये, मनचाहा भोजन कराया जाये। जम्मू-कश्मीर स्टूडेन्ट्स एसोसिएशन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर ईरान से सुरक्षित वापिस लाये गये छात्रों की चार दिन की यात्रा को थकाऊ बताया तथा उन्हें बसों के स्थान पर हवाई यात्रा उपलब्ध कराने की मांग की। वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने तो सरकार पर वापिस आये लोगों के पुनर्वास तथा पढाई का जुम्मा तक थोप दिया। वंशानुगत चलने वाले कुछ राजनैतिक दलों के कद्दावर नेताओं और राष्ट्रविरोधी अभियानों का कथित नेतृत्व करने वाले संगठनों व्दारा मानवता, स्वाधीनता और अधिकार के नाम पर अशान्ति फैलाने के लिए हमेशा से ही प्रयास किये जाते रहे हैं। कभी जातिवाद का जहर घोला जाता रहा है तो कभी सम्प्रदायवाद की बारूद सुलगाई गई।

कभी भाषा को मुद्दा बनाया तो कभी क्षेत्रवाद की खाई चौडी की गई। सकारात्मक परिणामों पर भी लाल स्याही फैलाने वाले लोग तो सीमापार बैठे अपने आकाओं के इशारों पर पूर्ववत विष वमन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कश्मीर से हिन्दुओं को भगाने वाले कट्टरपंथी परिवारों के हजारों छात्र वर्तमान में तेहरान, शीराज और कुम जैसे शहरों की शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश लिए हुए हैं। अपुष्ट सूत्रों के अनुसार वहां के उरमिया विश्वविद्यालय सहित अनेक संस्थान कट्टरता के लिए कुख्यात हैं जिनमें तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ मजहबी तालीम के नाम पर जेहाद की ट्रेनिंग भी दी जाती है। देश में सक्रिय अनेक आतंकवादी संगठन अपने युवा सदस्यों को पढाई के नाम पर ईरान जैसे देशों में भेजकर प्रशिक्षिण दिलवाते हैं।

वहां पर अत्याधुनिक हथियारों को चलाने, घातक बम बनाने तथा साइबर उपकरणों की प्रयोगात्मक शिक्षा दी जाती है। एक्सपोजर विजिट के नाम पर अन्य कट्टरपंथी देशों की यात्रायें भी करायी जातीं हैं जहां आतंकी संगठनों के उनका सीधा सम्पर्क हो जाता है। एक ओर देश के अन्दर राष्ट्रद्रोहियों की गतिविधियां सुनियोजित षडयंत्र के तहत चल रहीं है वही दूसरी ओर वर्तमान परिस्थितियों में भारत की विदेश नीति, कूटनीति और व्यवहारिक नीति दुनिया भर में चर्चा का विषय बनी हुई है। जहां इजरायल-हमास, इजरायल-ईरान और रूस-यूक्रेन जैसे युद्ध लम्बे समय से चल रहे हैं वहीं भारत ने पाकिश्तान को चन्द घंटों में ही सबक सिखाकर अपना परचम फहरा दिया। दुनिया के चौधरी बनने का सपना सजोने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आइना दिखाया। उनकी मध्यस्थता वाली घोषणा को सिरे से नकारा।

उनके आमंत्रण को पूर्व निर्धारित व्यश्तताओं का हवाला देकर अपना इरादा जाहिर कर दिया। ऐसा ही संकेत तुर्किये को दिया। उसके शत्रु देश साइप्रस की देश के प्रधानमंत्री ने चौंकाने वाली यात्रा की। वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ एक छत से पहाडियों को निहार कर वहां की विवादास्पद धरती के प्रति अपनी नीति उजागर कर दी। वैश्विक श्तर पर भारत की उभरती छवि से जहां अनेक विकसित राष्ट्रों के सीने पर सांप लोट रहे हैं वहीं उन राष्ट्रों के लिए काम करने वाले मीरजाफरों की जमातें आन्तरिक कलह के लिए देश के अन्दर धरातल तैयार करने में जुटीं हैं। चन्द सिक्कों, झूठे सम्मान और खोखले दबदबे के लालच में जमीर का सौदा करने वाले लोग तो सरकार के प्रत्येक कार्य को नकारात्मकता के लबादे में ढककर पेश करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

वर्तमान में ईरान से लौटे कश्मीरी छात्रों व्दारा पैदा किया गया घटनाक्रम इसी मानसिकता की एक और बानगी है जिसमें अहसान फरामोशों की जमात सुरक्षाकवच में आते ही अपना असली रंग दिखाने लगी है। विदेश प्रवास पर जाने के पहले क्या भारत सरकार से कोई अनुमति, स्वीकृति या अनुबंध किया था कि मुसीबत की घडी में सरकार उत्तरदायी होगी जिसके आधार पर दावेदारी निर्धारित की जा रही है, विलासता भरी सुविधाओं की मांग की जा रही है और दिये जा रहे हैं मनमाने वक्तव्य। मानवता, राष्ट्रीय निष्ठा और संवेदनशीलता के तहत किये गये नागरिकों की वापसी के सरकारी प्रयासों ने भारत की कूटनैतिक विजय के साथ-साथ सफल विदेश नीति का पुनः परचम फहरा दिया है। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नयी आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रश्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चिंतता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा।

इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र राश्ता है।

ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है।

सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45-50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है।

ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डॉनल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को परमाणु ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजरायल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। इन हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भले ही ईरान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दिया जाये, लेकिन ईरान के उस तकनीकी ज्ञान को कैसे खत्म किया जा सकता है, जो

ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ही ले जायेगा। ऐसे में अमेरिका या इजराइल के हमलों से ईरान में आमूल-चूल परिवर्तन होना संभव प्रतीत नहीं होता। हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। ईरान के लोग भी अपनी हुकूमत के खिलाफ है, भीतर-ही-भीतर आक्रोश है, इसे आंदोलन का रूप देकर ईरान में सत्ता परिवर्तन का माहौल बनाना चाहिए।

यही ईरान के लिये बेहतरी का राश्ता है, क्योंकि परमाणु हथियार बनाने की जिद्द में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। इराक, लीबिया, सीरिया - कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने के प्रयास किये, लेकिन इनमें से कहीं भी नतीजा मन-मुताबिक एवं सफल-सार्थक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। ऐसी स्थितियों में कैसे बदलाव की आशा की जा सकती है?

अमेरिका हो या इजरायल, ईरान या दुनिया की अन्य महाशक्तियों उनकी तरफ से ऐसी कोई पहल होती हुई नहीं दिख रही है, जिससे लगे कि वे यह संघर्ष टालना चाहते हैं। इजराइल का कहना है कि वह ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल होने तक युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजराइली हमले रुकने के बाद ही होगी।

दोनों देशों की जिद्द एवं अकड से प्रतीत नहीं होता कि शांति एवं युद्ध विराम का राश्ता संभव है। ईरान निश्चित रूप से दोषी है, दुनिया में अशांति का बड़ा कारण भी है। क्योंकि उसने अपने परमाणु-शक्ति के अपने प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा कि ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है।

वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था। सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा, क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों एवं आतंकवादियों को पोषित करता आया है।

हिजबुल्ला की रीढ़ तोड़ने से इस परिदृश्य में बदलाव की शुरुआत पहले ही हो चुकी है और लेबनान-सीरिया में पहले ही इसका लाभ मिल चुका है, जहां नए, बहुलतावादी नेताओं ने सत्ता संभाली है। ईरान के प्रभाव-क्षेत्र से इराक का पलायन भी वहां के लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय रहा है।

ईरान की जनता अपने शासकों के प्रति नाराज है। वह सत्ता परिवर्तन चाहती है, इसलिये इजराइल से युद्ध में जनता का समर्थन नगण्य है। इसका फायदा इजरायल को मिल रहा है, इसी कारण इजरायल ईरान के शीर्ष मिलिट्री अधिकरियों की सटीक लोकेशन खोजकर उन्हें मार गिराने में सफल हो पायी है।

इससे मालूम होता है कि कितने ईरानी अधिकारी इजराइल के लिए काम करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे अपनी सरकार को नापसंद करते हैं। बावजूद इसके अगर इजराइल अपने प्रयास में विफल हो जाता है और तमाम चोटें खाने के बावजूद ईरान परमाणु हथियार बनाने में सक्षम हो जाता है तो इससे क्षेत्र पहले से कहीं अधिक अस्थिर हो जाएगा। तेल संकट भी बढ़ेगा और संभवतः ईरान अमेरिका-समर्थक अरब शासनों पर हमला करने के लिए प्रेरित हो सकता है। तब अमेरिका के पास इस लड़ाई में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। ऐसी स्थितियां दुनिया के लिये अधिक घातक होगी, दुनिया में युद्ध के गहराते संकटों से मुक्ति का कोई तो राश्ता निकलना ही चाहिए।

क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे?

तनवीर जाफ़री

इस्राईल -ईरान के बीच छिड़े आधुनिक युद्ध ने पूरे विश्व को श्तब्ध व चिंतित कर दिया है। इस्राईल गत कई वर्षों से ईरान को युद्ध में खींचने की पूरी कोशिश कर रहा था परन्तु ईरान सीधे युद्ध में कूदने से बचता आ रहा था। परन्तु गत 13 जून को इस्राईल ने ईरान पर एक बड़ा हवाई हमला कर दिया। इस हमले के कुछ ही समय बाद इस्राईली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने एक टी वी प्रसारण में इस हमले को उचित ठहराते हुये ईरान पर परमाणु बम बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और अपनी चिंता दोहराई कि ईरान का परमाणु बम इस्राईल को नष्ट कर सकता है।

इस्राईल ने ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक और शीर्ष सेना कमांडर भी मार दिये। इस्राईल ने 13 जून को ईरान पर हमला उस समय किया जबकि दो दिन बाद ही यानी 15 जून को ईरान और अमरीका के मध्य परमाणु समझौता होने की तारीख़ तय थी और यह समझौता किसी निष्कर्ष पर पहुँचने की उम्मीद भी की जा रही थी। परन्तु इस्राईल ने समझौते के पहले ही हमला कर ईरान को बड़ा धोका दे दिया।

इस्राईली हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस हमले की पहले से जानकारी थी और इस हमले में कई ईरानी कट्टरपंथी (परमाणु वार्ताकार) मारे गए हैं।

उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह समझौता नहीं करता, तो और बड़े हमले झेलने पड़ सकते हैं। यही नहीं बल्कि ट्रंप ने इस्राईल की पीठ थपथपाते हुये इस्राईली हमलों को 'शानदार' बताया और कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा छोड़नी होगी। साथ ही ट्रंप ने अमेरिका को इस्राईल का सबसे बड़ा सहयोगी भी बताया।

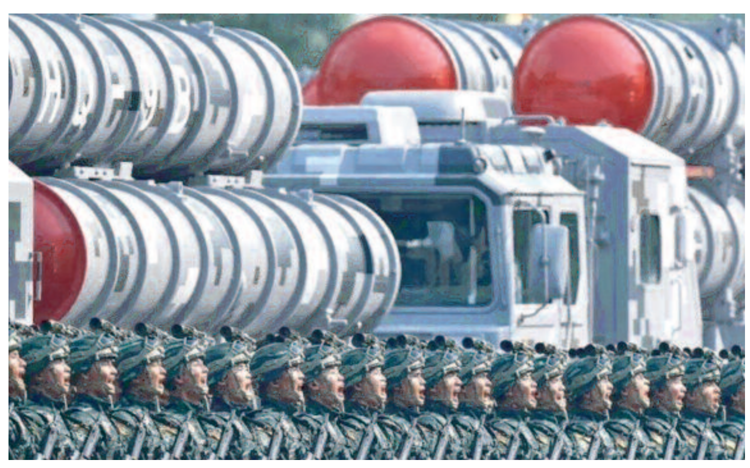

साफ़ है ईरान पर इस्राईल द्वारा धोखे से किये गये इस हमले का अमेरिका भी बराबर का साझीदार है।

अब ज़रा 2003 के उस दौर को भी याद कीजिये जब इराक़ में सद्दाम हुसैन के शासनकाल में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन, ने यह दावा किया था कि सद्दाम हुसैन के पास रासायनिक, जैविक और संभवतः परमाणु हथियार भी हैं जो वैश्विक सुरक्षा के लिए ख़तरा हो सकते हैं।

यह दावा ख़ुफ़िया जानकारी पर आधारित बताया गया था। इसी 'ख़ुफ़िया जानकारी' को बहाना बनाकर अमेरिका ने 'ऑपरेशन इराक़ी फ़्रीडम' के नाम से इराक़ पर बड़ी सैन्य कार्रवाई की और इराक़ को तबाह कर के छोड़ा। यहाँ तक कि स्थानीय अदालत का गठन कर सद्दाम हुसैन को फांसी पर चढ़ा दिया।

इराक़ में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां रासायनिक, जैविक और सामूहिक विनाश के हथियार होने की जानकारी ग़लत साबित हुई। वहां ऐसे हथियार होने के कोई सबूत नहीं मिले। जगज़ाहिर है कि अमेरिका द्वारा इराक़ पर सैन्य कार्रवाई वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण और मध्य पूर्व में अमेरीकी सामरिक प्रभाव बढ़ाने की इच्छा के तहत की गयी। इराक़ की तबाही व सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका ने यह तर्क भी दिया था कि सद्दाम हुसैन का तानाशाही शासन इराक़ी जनता और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हानिकारक था।

बहरहाल आज वही अमेरिका जिसने केवल इराक़ ही तबाह करने की कोशिश नहीं की बल्कि वह जापान पर 6 और 9 अगश्त 1945 को परमाणु बम गिराने का भी गुनहगार है.वह अमेरिका जो कोरिया, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, क्यूबा, कांगो, लाओस, वियतनाम, कंबोडिया, ग्रेनेडा, लेबनान, सीरिया, लीबिया, अल साल्वाडोर, निकारागुआ, ईरान(1987) पनामा, इराक़, कुवैत, सोमालिया, बोस्निया, सूडान, अफ़ग़ानिश्तान, योगोस्लाविया जैसे देशों पर हमले करने व वहां की सत्ता को अस्थिर करने का ज़म्मिदार हो, क्या वह अमेरिका तय करेगा कि किस देश को परमाणु शस्त्र रखना चाहिए और किसे नहीं? या फिर फ़लिश्तीन की ज़मीन पर अमेरिका ब्रिटेन की शह पर क़ब्ज़ा जमाये बैठा वह अवैध देश इस्राईल जिसपर ग़ज़ा में लगभग 82, 000 लोगों को मारने व लगभग 20 लाख लोगों को बेघर कर क्षेत्र में मानवीय संकट खड़ा का आरोप है वह तय करेगा कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिए और किसे नहीं?

जो देश स्वयं पूरे विश्व में अस्थिरता फैलाने, क्षेत्रीय संघर्ष भड़काने, शस्त्रों के व्यवसाय तथा तेल जैसी सम्पदा पर गिद्ध दृष्टि रखते हों पड़ोसी देशों में फूट डलवाकर युद्ध भड़काना ही जिनका वयवसाय बन चुका हो वह देश कैसे निर्धारित कर सकते हैं कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिये किसे नहीं?

आज विश्व में जिनदेशों के पास परमाणु शस्त्र हैं उनमें सबसे बड़ा ज़ख़ीरा संयुक्त राज्य अमेरिका के पास है। इसके अतिरिक्त रूस, चीन, फ़्रांस, यूके (ब्रिटेन), इस्राईल, उत्तर कोरिया, भारत व पाकिश्तान जैसे देश भी परमाणु शस्त्र धारक देशों में गिने जाते हैं। बावजूद इसके कि ईरान अभी तक यह कहता आया है कि उसके द्वारा किया जा रहा परमाणु संवर्धन उसकी ऊर्जा सम्बन्धी ज़रूरतों को पूरा करने जैसे शांतिपूर्ण कार्यों के लिये है।

फिर भी यह क्यों ज़रूरी नहीं कि मानवता का सबसे बड़ा हत्यारा देश इज़राईल जो भूखे, निहत्थे बच्चों व बुज़ुर्गों औरतों का लगातार नरसंहार करता आ रहा, जो अपनी सैन्य शक्ति और अमेरिका की शह के बल पर अपने क़ब्ज़े की ज़मीन का लगातार विश्तार करता जा रहा हो जो उसे पनाह देने वाले देश फ़लिश्तीन के लोगों को ही उनकी मातृभूमि से बेदख़ल करने की साज़शि रच रहा हो, जो अमरीका के इशारे पर पूरे मध्य एशिया में फूट डालने वाली राजनीति कर रहा हो आखिर क्षेत्रीय संतुलन बनाने के लिये उसके सामने ईरान जैसे देश का डटकर खड़ा होना ज़रूरी क्यों नहीं? क्या इस पूरे मध्य क्षेत्र को अमेरिका इस्राईल के रहम-ो-करम पर जीने के लिये छोड़ देना चाहिये? ताकि जब चाहें और जिस देश को चाहें ग़ज़ा, यमन व लेबनान बना सकें?

निश्चित रूप से युद्ध से बुरी कोई स्थिति नहीं होती। हमेशा इस त्रासदी का शिकार बेक़ुसूर महिलाएं, बच्चे व बुज़ुर्ग होते आये हैं। युद्ध से मानवता आहात होती है। सही मायने में तो पूरे विश्व को ही न केवल परमाणु शस्त्र मुक्त बल्कि पूरा विश्व निःशस्त्र भी होना चाहिये।

परन्तु अमेरिका इज़राईल जैसे देशों द्वारा जब अपनी ताक़त का दुरूपयोग दशकों से किया जाता रहा हो और यह सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा हो ऐसे में इन्हें 'वाक ओवर' देने के बजाये इनके सामने अपने स्वाभिमान के लिये संकल्पबद्ध होकर खड़े होना कौन सा जुर्म है? अमेरिका व इस्राईल के सामने ईरान के सिर उठाकर खड़े होने जैसे फ़ौलादी इरादों की आज दुनिया सराहना कर रही है।

परन्तु यह देश आज कभी ईरान के निष्कासित रज़ा शाह पहलवी के पुत्र के काँधे पर सवार होकर तो कभी भीतरी फूट डालकर कभी मोसाद का इश्तेमाल कर ईरान को अस्थिर करने की पुरज़ोर कोशिश में लगा है। इनकी गिद्ध दृष्टि इस बात पर टिकी है कि किसी तरह वर्तमान संकल्पवान व स्वाभिमानी ईरानी सत्ता को बेदख़ल कर अपनी पिट्ठू सरकार बनाई जाये और ईरान को अस्थिर कर यहाँ भी मनमर्ज़ी से तेल दोहन किया जा सके।

परन्तु शहादत को अपना आभूषण समझने व दाश्तान ए करबला से प्रेरणा लेना वाला यह देश अमेरिका व इज़राईल की घुड़कियों को कुछ भी नहीं समझ रहा। क्या ईरान को आत्मरक्षा का अधिकार नहीं? क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश ही यह तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे और कौन न रखे?

अतुल्य भारत, अजेय भारत : मोदी युग ने पर्यटन को कैसे नया स्वरुप दिया

गजेंद्र सिंह शेखावत

पिछले दशक में, भारत की पवित्र भूमि को सिर्फ़ देखा ही नहीं गया है - बल्कि इसे फिर से खोजा गया है। पहाड़ अब सिर्फ़ परिदृश्य नहीं रह गए हैं; वे जीवित अभयारण्य हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के बर्फ से ढके मंदिरों से लेकर बोधगया की ध्यानपूर्ण शांति और सारनाथ की सुनहरी नीरवता तक, भारत की आध्यात्मिक आत्मा ने एक-एक तीर्थयात्री की भावना को उद्वेलित किया है। इस युग में पर्यटन, विवरण पुश्तिका (ब्रोशर) के ज़रिए नहीं, बल्कि भक्ति, स्मृति और फिर से जुड़ने की सभ्यतागत प्रेरणा के ज़रिए तैयार किया गया था।

2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरुप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फ़ीनिक्स की तरह उभरा - 2024 में यहां 16 लाख से ज़्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 40, 000 थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया। प्रकाश और पवित्रता में पुनर्जन्म लेने वाली काशी ने 11 करोड़ लोगों को अपनी पवित्र गलियों में भ्रमण करते देखा। बोधगया और सारनाथ की गूंज कई महाद्वीपों में सुनायी दी, दोनों तीर्थस्थलों ने 2023 में 30 लाख से ज़्यादा साधकों को आकर्षित किया।

और फिर एक ऐसा क्षण आया, जो आंकड़ों से पार चला गया —जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। यह कोई उद्घाटन नहीं था; यह सभ्यता की धड़कन का जीर्णोद्धार था। महज छह महीनों में, 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आगमन हुआ —न सिर्फ देखने के लिए, बल्कि इससे जुड़ने के लिए। लगभग इतना ही ऐतिहासिक था, महाकुंभ 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम था, जिसमें 65 करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री आस्था और उत्कृष्टता के संगम पर पहुंचे। अयोध्या और प्रयागराज, साथ मिलकर, भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दो प्रकाश श्तंभ बन गए।

यह पर्यटन नहीं था—यह घर वापसी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस वापसी को आकार, अवसंरचना और आत्मा दी गई। अब पर्यटन एक जांच सूची (चेकलिस्ट)-संचालित उद्योग नहीं रहा, बल्कि पवित्र 'स्व' को फिर से खोजने का एक राष्ट्रीय मिशन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी मंत्र - भारत में विवाह करें, भारत की यात्रा करें, भारत में निवेश करें - ने पर्यटन को एक सांस्कृतिक आह्वान में बदल दिया। मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही पर्यटन को राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ताकत के रूप में देखा है। स्वदेश दर्शन और इसके उन्नत रूप, स्वदेश दर्शन 2.0 के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय ने रामायण, बौद्ध, तटीय और आदिवासी जैसे विषयगत सर्किट के तहत 110 परियोजनाएँ विकसित कीं। 2014-15 में शुरू की गई मूल योजना में कुल 5, 287.90 करोड़ रूपये की लागत से 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। स्वदेश दर्शन 2.0 में, स्थाई गंतव्यों को विकसित करने के लिए 2, 106.44 करोड़ रूपये के साथ 52 परियोजनाएँ जोड़ीं गईं।

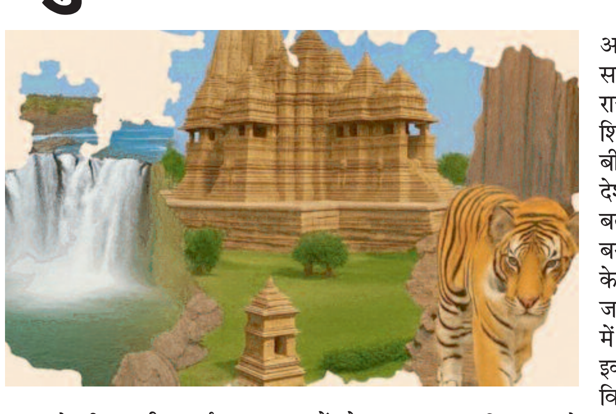

चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप-योजना के तहत, 623.13 करोड़ रूपये की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि एसएएससीआई योजना के अंतर्गत राज्य के नेतृत्व में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार के लिए 3, 295.76 करोड़ रूपये की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी।

इसके साथ ही, प्रसाद योजना के जरिये उन्नत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के साथ 100 तीर्थ शहरों को पुनर्जीवित किया गया। इन प्रयासों से भारत में 2023 में 250 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों की यात्रा दर्ज की गयी - जो अब तक का सबसे अधिक है।

2024-25 के केंद्रीय बजट में एक ऐतिहासिक घोषणा के तहत 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने का प्रश्ताव रखा गया, उन्हें निवेश और वित्तपोषण को आसान बनाने के लिए अवसंरचना सामंजस्य मास्टर सूची (आईएचएमएल) में जोड़ा गया।

पुनरुद्धार केवल पवित्र स्थानों तक सीमित नहीं था। 2018 में अनावरण की गई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, देश के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक बन गई, जिसे 2023 में 50 लाख से अधिक आगंतुक देखने आये। इसके चारों ओर इको-टूरिज्म पार्क, टेंट सिटी और आदिवासी संग्रहालय विकसित हुए हैं - जो सम्मान को अवसर में बदल रहे हैं।

भारत का सभ्यतागत आत्मविश्वास इसकी कूटनीति में परिलक्षित होने लगा। फ्रांस, जापान, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के राजनेताओं का, न केवल दिल्ली में, बल्कि वाराणसी, उदयपुर, अयोध्या और महाबलीपुरम में भी स्वागत हुआ। सॉफ्ट पावर अब सॉफ्ट नहीं रही - यह 3डी अनुभव हो गयी। रिवर क्रूज़, दीपोत्सव, आध्यात्मिक भ्रमण और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने राजकौशल को आत्मा के शिल्प में बदल दिया। इस बीच, अतुल्य भारत 2.0 ने देश को स्मारकों की भूमि से बदलकर बदलाव की भूमि बना दिया। ऋषिकेश में योग, केरल में आयुर्वेद, पूर्वोत्तर में जनजातीय त्योहार और कच्छ में शिल्प ने पर्यटन इकोसिस्टम को जीवंत व विशिष्ट स्थान प्रदान किया। विपणन को अब स्मृति से अलग करना मुश्किल था।

इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी बहुत प्रभावशाली रही। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2023 के बीच, भारत ने पर्यटन में 18 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया। प्रमुख आतिथ्य अवसंरचना परियोजनाओं में 2014-22 के दौरान 9 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। केवल 2023 में, भारत ने 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के साथ 2.31 लाख करोड़ रूपये (28.7 बिलियन डॉलर) की विदेशी मुद्रा अर्जित की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 47.9% की वृद्धि दर्ज की गयी। इस क्षेत्र ने 2023-24 में 84.63 मिलियन नौकरियों का सृजन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.46 मिलियन अधिक थीं – इस प्रकार पर्यटन क्षेत्र भारत के विकास और रोज़गार की आधारशिला के रूप में उभरा।

पर्यटन एक संपूर्ण आयाम वाले मिशन के रूप में विकसित हुआ। 'एक विरासत अपनाएँ' योजना के तहत प्रमुख स्थलों का कॉर्पोरेट प्रबंधन शुरू हुआ, जबकि उड़ान योजना ने शिरडी, जीरो और मिनिकॉय जैसे दूर-दराज के स्थानों को हवाई मार्ग से जोड़ा। राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन ने टिकट बुकिंग, डेटा और यात्रा कार्यक्रमों का एक एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म में एकीकरण करना शुरू किया। पूर्वोत्तर- जो कभी उपेक्षित था- मुकुट के एक रत्न के रूप में उभरा। एक्ट ईस्ट नीति और अवसंरचना पर विशेष ध्यान की वजह से अरुणाचल, सिक्किम और मेघालय जैसे राज्यों में पर्यटकों का आगमन 2014 और 2022 के बीच दोगुना हो गया। जीवंत गांव कार्यक्रम ने किबिथु और माना जैसे दूरदराज के इलाकों को ऐसे गंतव्यों में बदल दिया, जहाँ देशभक्ति का मिलन प्रकृति और विरासत से होता है। पर्यटन का विचार भी आकांक्षापूर्ण हो गया। “भारत में विवाह”, राजस्थान और गोवा जैसे विवाह केंद्रों के लिए प्रोत्साहन, अभियान और अवसंरचना के समर्थन में तब्दील हो गया। इस बीच, चिकित्सा और कल्याण पर्यटन के लिए 2022 में 6 लाख से अधिक विदेशी मरीज आये, जिससे भारत दुनिया के अग्रणी उपचार स्थलों में से एक बन गया।

2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता, सांस्कृतिक कूटनीति का एक उत्कृष्ट प्रदर्शन था। दिल्ली तक सीमित रहने के बजाय, खजुराहो से कुमारकोम तक 60 से अधिक गंतव्यों में वैश्विक कार्यक्रमों की मेजबानी हुई, जिनमें से प्रत्येक को स्थानीय कला, खान-पान और विरासत के साथ तैयार किया गया था। दुनिया भारत के साथ सिर्फ़ संवाद नहीं कर रही थी - बल्कि इसे अनुभव भी कर रही थी।

लेकिन आंकड़ों के पीछे, असली परिवर्तन आध्यात्मिक था। भारत ने दुनिया से अपने स्मारकों को देखने के लिए अनुरोध करना बंद कर दिया। देश ने अपनी यादों को महसूस करने, अपनी शांति में स्वस्थ होने और अपनी विविधता का जश्न मनाने के लिए पूरी दुनिया को आमंत्रित किया।

इस नए भारत में, पर्यटन मौसमी नहीं है - यह सभ्यतागत है। यह वह स्थल है, जहाँ दर्शन का विकास से, जहाँ तीर्थयात्रा का प्रगति से और जहाँ त्योहार का अवसंरचना से मिलन होता है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने दुनिया का सिर्फ़ स्वागत नहीं किया – बल्कि उसे गले लगाया।

जैसे भिक्षु बोधि वृक्ष की परिक्रमा करते हैं, जैसे तीर्थयात्री केदारनाथ की ठंडी हवा में मंत्रोच्चार करते हैं, जैसे दुल्हनें महलनुमा गुंबदों के नीचे विवाह करती हैं और जैसे सीमावर्ती गाँव उत्सुक यात्रियों की मेजबानी करते हैं, एक सच्चाई हर पवित्र मार्ग और शांत गलियारे में गूंजती है: भारत केवल एक गंतव्य नहीं है, जहाँ की आप यात्रा करते हैं - यह एक ऐसा देश है, जहाँ आप कुछ शाश्वत की तलाश में बार-बार वापस आते हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

छह महीने में 150 से सिमट कर 20 मीटर हो गई गोमती

जौनपुर , एजेंसी। शहर में बहने वाली प्रमुख नदी गोमती की चौड़ाई बीते छह महीने में 150 मीटर से सिमट कर महज 20 मीटर रह गई है। नदी के किनारों से लेकर करीब 40 फीट तक पानी नहीं है। आलम यह है कि लोग नदी के बीचोबीच खड़े होकर सेल्फी ले रहे हैं या फोटो खींच रहे हैं। सद्भावना पुल के पास तो नदी शायद 70 फीट भी चौड़ी न हो। गोमती नदी जौनपुर जिले के बदलापुर से होते हुए शहर में प्रवेश करती है और फिर वाराणसी के मारकंडेय महादेव धाम कैथी में जाकर मिल जाती है। शहर में सद्भावना पुल के नीचे गोमती के तट पर पर्यटन विभाग और नमामि गंगे द्वारा घाट का निर्माण कराया गया। शहर निवासी व स्वच्छ गोमती अभियान के अध्यक्ष गौतम गुप्ता ने बताया कि बीते छह महीने पूर्व पर्यटन विभाग और नमामि गंगे के तहत नदी के दोनों किनारों पर घाट का निर्माण शुरू हुआ। इस निर्माण के दौरान शाही किले की ओर शाही पुल के दो ताखे घाट का पाथ वे बनाने के लिए बंद कर दिए गए। इससे नदी के पानी ने रास्ता बदला और चौड़ाई घट गई। यही नहीं गौतम ने बताया कि घाट का निर्माण एनजीटी के नियमों के खिलाफ हो रहा है और जो भी कार्य अभी तक कराए गए हैं, उसके लिए भी दोनों विभागों ने एनओसी नहीं ली। नदी में अतिक्रमण के कारण केवल शाही पुल से सद्भावना पुल तक ही नदी की चौड़ाई कम दिखेगी। इसके बाद नदी अपने पूरे स्वरूप और पानी के साथ प्रवाहित होती है।

मांगे पूरी न होने पर लेखपालों ने किया कार्य बहिष्कार

हमीरपुर/ राठ , एजेंसी। मांगें पूरी न होने पर उप्र लेखपाल संघ ने जिले की चारों तहसीलों में शनिवार को एक दिवसीय कार्य बहिष्कार किया। काली पट्टी बांधकर तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। प्रशासन से मांगे पूरी कराने की मांग की। सदर तहसील में जिलाध्यक्ष पारस, महामंत्री प्रदत्त कुमा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कुमार, उपमंत्री महेंद्र कुमार, देवी प्रसाद वर्मा, घनश्याम, जितेंद्र, भूपेंद्र, रोहित, चंद्रेश, आदित्य आदि रहे। राठ तहसील में धरने का नेतृत्व कर रहे कार्यकारी अध्यक्ष प्रिंस यादव ने कहा कि नियत यात्रा भत्ता एरियर, क्रॉप कटिंग, सुनिश्चित कॅरिअर प्रोन्नति, एग्री स्टैक योजनांतर्गत पड़ताल की धनराशि समय से न दिया जाना, किसान सम्मान सूची में भू-अंकन के एवज में प्रोत्साहन राशि का भुगतान न किया जाना, चिकित्सा प्रतिपूर्ति आदि मांगें लंबे अर्से से लंबित हैं। एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए लंबित मांगों के निस्तारण की मांग की है। संचालन तहसील मंत्री मनीष कुमार गुप्ता ने किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष योगेंद्र पटेल, अरिमर्दन सिंह, रघुकुल भूषण द्विवेदी, अरविंद राजपूत, जितेंद्र बहादुर सिंह, शिवकुमार कबीर, लोकेंद्र सिंह, सावित्री पाल, कविता द्विवेदी, कामता द्विवेदी, रघुबीर राजपूत आदि ने संबोधित किया।

तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, चालक की मौत और तीन सवारियां घायल

कानपुर , एजेंसी। कानपुर के ग्वालटोली थानाक्षेत्र में रविवार सुबह एफएम कॉलोनी में तेज रफ्तार कार ने पीछे से ई-रिक्शे में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार सवार मौके से भाग निकला। राहगीरों ने ई-रिक्शा चालक व तीन घायल यात्रियों को उर्सला अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टर ने ई-रिक्शा चालक को मृत घोषित कर दिया। पीड़ित परिवार ने कार चालक के खिलाफ तहरीर दी है। खलासी लाइन निवासी संजय कुमार सोनकर (50) ई-रिक्शा चलाते थे। इकलौते बेटे आयुष ने बताया कि पिता रविवार सुबह पौने सात बजे ई-रिक्शे में तीन सवारियां बैठाकर सिविल लाइन की ओर जा रहे थे। तभी खलासी लाइन में पिछले से आ रही काले रंग की तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे ई-रिक्शा पलट गया, जिससे तीन सवारियों व ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आरोपी चालक कार समेत फरार हो गया। पुलिस ने सभी को उर्सला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने ई-रिक्शा चालक संजय कुमार को मृत घोषित कर दिया। ग्वालटोली इंस्पेक्टर अमान सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जा रही है। घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल हो गया। जांच की जा रही है।

53 जिलों में होगी भारी बारिश, अब तक 11 फीसदी अधिक हुई बरसात

मेरठ को छोड़कर आसपास के जिलों में बारिश, आसमान पर बादल छाने से मौसम हुआ सुहाना

मेरठ , एजेंसी। शनिवार को उमस भरी भीषण गर्मी के बाद रविवार को सुबह से ही मौसम में काफी बदलाव दिखाई दिया। देखते ही देखते आसमान पर काले बादल छा गए और मौसम बदल गया। आसपास के कई जिलों में बारिश होने लगी। मगर दोपहर तक मेरठ में बादल ही छाए रहे, बारिश का मौसम बना हुआ है, मगर पानी नहीं बरसा। वहीं मौसम खुशनुमा हो गया है और शहर वासियों को बारिश का इंतजार है। दोपहर के समय में मेरठ को छोड़कर आसपास के जिलों में अच्छी बारिश होने से मौसम बदल गया है। बारिश ने जहां तापमान को कम किया है, वहीं उमस भरी गर्मी से भी राहत मिली है। रविवार का दिन सुबह से ही काफी राहत भरा दिखाई दिया। भीषण गर्मी से परेशान लोगों ने काफी राहत महसूस की है। आसमान पर छाए काले बादलों से मौसम बदला हुआ था। भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान मोदीपुरम के मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर एम शमीम का कहना है कि आगामी दो-तीन दिन तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना बनी हुई है। इससे तापमान में भी गिरावट आएगी और उमस भरी गर्मी से भी राहत मिलेगी।

लखनऊ , एजेंसी। बीते तीन दिनों की तरह ही रविवार को भी प्रदेश में मौसम बदला-बदला नजर आया। लखनऊ में शनिवार देर रात हल्की बारिश हुई तो सुबह से काले घने बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने 50 से अधिक जिलों में आज भारी बारिश की घोषणा की है।

इसके पहले दक्षिणी उत्तर प्रदेश में शनिवार को जमकर बारिश हुई, जिससे तापमान में और गिरावट महसूस की गई। बारिश के मामले में सोनभद्र सबसे आगे रहा जहां 136 मिमी. बारिश दर्ज की गई। दूसरे नंबर पर श्रावस्ती में 110.2 मिमी. बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को पूर्वी और मध्य यूपी में भी जमकर बारिश होने की संभावना है। बारिश का यह सिलसिला अभी आगे भी जारी रहने के आसार जताए जा रहे हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार को पूरे उत्तर प्रदेश में औसतन 5.6 मिमी. बारिश हुई। रविवार को इससे अधिक बारिश की संभावना है। उन्होंने बताया कि एक जून से 21 जून तक प्रदेश में कुल 50.5 मिमी. बारिश हो चुकी है। यह सामान्य बारिश 45.6 मिमी. के सापेक्ष 11 प्रतिशत ज्यादा है। अतुल कुमार सिंह के अनुसार, बारिश का यह क्रम रविवार के अलावा आगे भी जारी रहेगा। पूर्वी और मध्य यूपी में रविवार को भारी बारिश होने के आसार हैं। तापमान में गिरावट से मौसम सुहावना बना रहेगा।

इन जिलों में बहुत भारी वर्षा होने के लिए ऑरेंज अलर्टः लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में।

इन जिलों में भारी वर्षा की संभावनाः बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रवि दास नगर, जौनपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, सीतापुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, रायबरेली, अमेठी, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, अमरोहा, संभल, बदायूं एवं आसपास के इलाकों में। बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रवि दास नगर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुर, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोवा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में।

30 राज्यों में बारिश का अलर्ट

आईएमडी ने बताया कि 26 जून तक उत्तर पश्चिम भारत के जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश समेत 30 राज्यों में भारी बारिश और कहीं-कहीं तेज हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में मध्य प्रदेश, गुजरात, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, छत्तीसगढ़ और झारखंड के साथ ही पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, ओडिशा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह शामिल हैं। केरल, माहे, तटीय कर्नाटक, केरल, लक्षद्वीप, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 27 जून तक अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। पूर्वोत्तर के राज्यों में अगले साथ दिन बारिश होगी।

रेव थ्री के पास बनेगी पुलिस की नौ मंजिला बिल्डिंग, 90 करोड़ स्वीकृत 10 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में बनेगी

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में रेव थ्री मॉल के पास 10 हजार स्क्वायर मीटर क्षेत्र में कमिश्नरी पुलिस की नौ मंजिला कंपोजिट बिल्डिंग बनाई जाएगी। यहां पुलिस कमिश्नर के साथ ही एडीजी, आईजी जोन, ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर, डीसीपी, एसीपी भी बैठेंगे। यह व्यवस्था शिकायतकर्ताओं और पीड़ितों की सहूलियत के लिए की जा रही है। बिल्डिंग का प्रस्ताव मुख्यालय की ओर से शासन को भेजा गया था, जिसके लिए 90 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हुआ है। अगस्त से कार्य शुरू होने की उम्मीद है। कमिश्नरी पुलिस कार्यालय कचहरी के पास बना है, जबकि एडीजी जोन और आईजी जोन के कार्यालय उनके आवास में हैं। यहां कानपुर समेत जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों के लोग न्याय की आस में पहुंचते हैं। कई बार मामला कानपुर के अन्य पुलिस अधिकारियों से संबंधित होता है तो शिकायकर्ता को एडीजी जोन या आईजी जोन के कार्यालय जाना पड़ता है। इस समस्या को देखते हुए पुलिस के सभी कार्यालयों को एक ही बिल्डिंग में करने की योजना बनी। ट्रैफिक पुलिस लाइन में आईपीएस और पीपीएस अधिकारियों के लिए आवास बनाए जाएंगे। इनकी संख्या 40 रहेगी, जिसमें टाइप-4 के 32 और टाइप-5 के आठ बंगले शामिल हैं। आवास के लिए शासन से 30 करोड़ रुपये स्वीकृत हो गए हैं।

एसीपी कार्यालय की जगह थानों का होगा विस्तार
बिल्डिंग बनने से थाने की जमीन पर बने एडीसीपी, एसीपी कार्यालय को हटाकर थानों का विस्तार किया जा सकेगा। यहां साइबर सेल, रिकार्ड रूम, ऑपरेशन दिव्य दृष्टि, महिला संबंधी अपराध के लिए अलग-अलग कमरे बनाए जा सकेंगे।

डीसीपी दक्षिण और पश्चिम अपने कार्यालय में बैठेंगे
डीसीपी दक्षिण और डीसीपी पश्चिम के क्षेत्र में घाटमपुर, सजेती, महाराजपुर, ककवन, बिल्हौर, आरौल, बिधनू, पतारा, शिवराजपुर आदि आते हैं। इन कार्यालयों को शिफ्ट करने से वादियों को कठिनाई होगी। यह अधिकारी कभी कभी कंपोजिट बिल्डिंग में बैठ सकेंगे।

नशे के सौदागर देवर-भाभी सहित तीन लोग गिरफ्तार, 30 किलो गांजा भी बरामद; पुलिस को देख भाग रहे थे

मऊ, एजेंसी। मऊ शहर कोतवाली और एसओजी टीम ने नशे का व्यापार करने वाले देवर-भाभी की जोड़ी के साथ तीन लोगों को 30 किलो 292 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। इन लोगों की तलाश कई दिनों से चल रही थी। बरामद गांजा की कुल कीमत तीन लाख 60 हजार रुपये हैं।

इस मामले का खुलासा करते हुए सीओ सिटी अंजनी कुमार पांडेय ने बताया कि पुलिस टीम ने बलिया जिले के कोतवाली आनंद नगर निवासी प्रियंका श्रीवास्तव पत्नी प्रियांशु श्रीवास्तव, मिथुन सिंघा पुत्र चितरंजन निवासी गोराईमंडी उदल गुड़ी थाना उदित गुड़ी जनपद उदलगुड़ी (असम) और बसंती सिंघा पत्नी सुनील सिंघा निवासी गोरीमंडी उदित गुड़ी थाना उदित गुड़ी जनपद उदलगुड़ी (असम) को कासिम पोखरी रेलवे ट्रैक के पास से शनिवार रात 9:30 बजे गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त में मिथुन और बसंती रिश्ते में देवर और भाभी हैं, जो असम से गांजा ले आकर प्रियंका के साथ बेचा करते थे।

79 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नोटिस

लखनऊ। स्थानीय ब्लॉक में कार्यरत 79 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सीडीपीओ ने लापरवाही पर कारण बताओ नोटिस जारी की है। कल तक सभी काम पूरा नहीं होने पर सेवा समाप्ति के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र लिखने की चेतावनी दी है। इसके पहले कुछ आंगनबाड़ियों का मानदेय रोक दिया गया था। सीडीपीओ घोसी राधेश्याम पाल ने शुक्रवार को कार्यालय पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि घोसी ब्लॉक में 209 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कार्यरत हैं। इनमें से 79 ऐसी हैं, जिनके द्वारा लाभार्थियों का चेहरा प्रमाणीकरण, पोषण ट्रैकर में ई-केवाईसी और फेस कैप्चर नहीं किया जा रहा है, इनकी प्रगति शून्य है। इन्हें तीन का समय देते हुए सेवा समाप्ति का नोटिस जारी किया गया है। बताया कि सभी को बुलाकर प्रशिक्षण दिया गया है, जिससे वो जल्द से जल्द काम पूरा कर सकें और कार्रवाई से बचाया जा सके।

जासूस तो नहीं लखनऊ में गिरफ्तार उज्बेकिस्तान की युवतियां? कराई थी प्लास्टिक सर्जरी; खुफिया एजेंसियां अलर्ट

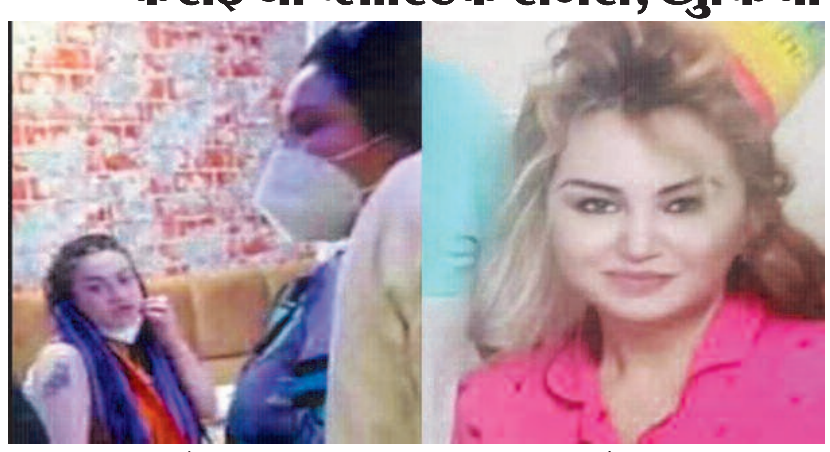

लखनऊ , एजेंसी। उज्बेकिस्तान की होलिडा और नीलोफर के अवैध रूप से राजधानी लखनऊ में रहने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इनके पास पासपोर्ट और वीजा भी नहीं मिला है। ऐसे में दोनों दिल्ली से यहां पहुंचीं कैसे? इसके बारे में जानकारी की जा रही है।

सूत्रों का कहना है कि दोनों युवतियां कब से और किन-किन शहरों में रह रही हैं, इसका पता लगाया जा रहा है। जासूसी के बिंदु पर भी छानबीन की जा रही है। खुफिया एजेंसियां इसे लेकर अलर्ट हो गई हैं। माना जा रहा है कि दोनों युवतियों से खुफिया एजेंसियां भी पूछताछ करेंगी।

पुलिस के आने की भनक लगते ही वह भाग निकलीः खास बात यह है कि दोनों को लखनऊ में लाने वाली और यहां के लोगों से परिचय कराने वाली लोलो के खिलाफ उज्बेकिस्तान में लुकआउट नोटिस भी जारी हो चुका है। फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) की टीम उसके बारे में पता लगा रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम ने जब छापा मारा था, तब लोलो भी वहीं दूसरे कमरे में थी। हालांकि, पुलिस के आने की भनक लगते ही वह भाग निकली।

होटल उज्बेकिस्तान की महिला का शव मिला थाः बता दें कि हाल ही में विभूतिखंड के एक होटल उज्बेकिस्तान की महिला का शव मिला था। उसकी रहस्यमय हालात में मौत हो गई थी। उधर, मामले के विवेचक महेश कुमार सिंह का कहना है कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बच्ची से दरिंदगी करने वाला मुठभेड़ में अरेस्ट, पुलिस पर फायर कर भाग रहा था; चंद घंटों में पकड़ा

आजमगढ़, एजेंसी। आजमगढ़ के मेंहनगर थाना क्षेत्र की पांच वर्षीय मासूम से दरिंदगी करने वाले देवइत गांव निवासी आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। रविवार रात करीब 9.20 बजे थाना प्रभारी अनुराग कुमार अपनी टीम के साथ देवरिया राजधरपुर गांव के पास आरोपी की घेराबंदी कर रहे थे, तभी भागने की कोशिश कर रहे जावेद ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लग गई। उसे घायल अवस्था में तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उधर, पांच वर्षीय मासूम के साथ हुई अमानवीय घटना के बाद से ही क्षेत्र में भारी आक्रोश था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दी।

रविवार रात को मिली सफलता से स्थानीय लोगों में थोड़ी राहत जरूर है। एसएसपी हेमराज मीना ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है और विधिक कार्रवाई की जा रही है। घायल आरोपी का अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है।

ये है पूरा मामला

शुक्रवार की देर शाम जब बच्ची के माता-पिता किसी जरूरी काम से बाजार गए हुए थे, तभी पड़ोस का युवक जावेद घर में अकेली बच्ची को देखकर घुस आया और उसके साथ दुष्कर्म जैसा जघन्य कृत्य किया।

बाजार से लौटने के बाद जब माता-पिता ने बच्ची की हालत देखी, तो उनके होश उड़ गए। फौरन बच्ची को अस्पताल पहुंचाया और स्थानीय थाने में जाकर आरोपी जावेद के खिलाफ नामजद तहरीर दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी अनुराग कुमार ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है और बहुत जल्द उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एक ही चिता पर पति और सात माह की गर्भवती पत्नी के शव जलाए गए

हर किसी की आंखें हुईं नम; हादसे ने ली थी जान

जौनपुर , एजेंसी। वाराणसी जिले के हरहुआ बाजार में शुक्रवार को ट्रक की चपेट में आकर मृत खुटहन के मोजीपुर गांव निवासी दंपती का शव पीएम के बाद जब घर पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। पति और सात माह की गर्भवती पत्नी की दुर्घटना में हुई मौत के बाद जब दोनों शव गांव के ही गोमती नदी तट पर एक ही चिता पर जलाए गए।

इस दौरान वहां मौजूद हर शख्स की आंखें भर आईं। पुत्र व बहू को एक साथ मुखाग्नि देते पिता को देखकर वहां मौजूद हर कोई अपने आंसू नहीं रोक सका। मोजीपुर गांव निवासी रवींद्र यादव उर्फ कल्लू पुत्र पब्बर यादव अपने तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। उसके छोटे भाई विद्युत विभाग में एसडीओ तथा सबसे छोटा भाई घर रहकर खेतीबाड़ी करता है।

रवींद्र कानपुर शहर में रहकर एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में प्राइवेट नौकरी करते थे। गुरुवार को वह वापस घर आए थे। उनके चचेरे भाई की पुत्री बीमार चल रही है। जो जिले के एक निजी चिकित्सालय में भर्ती हैं। उसका हाल चाल लेने शुक्रवार की सुबह अपनी सात माह की गर्भवती पत्नी रानी यादव के साथ शहर आये थे। वहां से दोनों वाराणसी दर्शन करने चले गए।

बाइक से वापस लौट रहे दंपती हरहुआ बाजार में एक ट्रक की चपेट में आ गए। मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। मौत की मनहूस खबर पता चलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पीएम के बाद दंपति का शव घर लाया गया। अंतिम संस्कार गांव के गोमती नदी तट पर कर दिया गया।

जिला महिला अस्पताल में नवजात की मौत

जौनपुर के जिला महिला अस्पताल में शुक्रवार को नवजात की जन्म लेने के कुछ देर बाद ही मौत हो गई। परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पीड़ित गुलाबचंद अग्रहरि ने बताया कि वह जफराबाद थाना क्षेत्र के शेखवाडा मोहल्ला की निवासी हैं। उनकी पुत्री खुशबू अग्रहरी मायके में थी और प्रसव पीड़ा से परेशान थी। दर्द अधिक होने पर उनके घर वालों ने 108 पर सूचना दी। एंबुलेंस से खुशबू को शुक्रवार की शाम 7 बजे जिला महिला अस्पताल पहुंचाया गया। गुलाबचंद का आरोप है कि उसकी पुत्री दर्द से तड़प रही थी। डॉक्टर के पास जाने पर उन्हें लौटा दिया जाता था। रात 11 बजे तक ऐसा ही चला। रात 12 बजे एक चिकित्सक ने ऑपरेशन करके बच्ची को जन्म दिलाया। जन्म के कुछ की देर बाद नवजात ने दम तोड़ दिया। पहला बच्चा वह भी ऑपरेशन से पैदा हुआ और उसकी तुरंत मृत्यु हो जाना पूरे परिवार में मातम छा गया।
परिवार के लोग अस्पताल प्रशासन पर बड़ी लापरवाही का आरोप लगाते हुए रोते और बिलखते देखे गए। जिला महिला अस्पताल के सीएमएस एमके गुप्ता ने बताया कि अस्पताल आने पर महिला की जांच की गई तो बच्चे की धड़कन नहीं थी। उनके अटेंडेंट को जब जानकारी डॉक्टर द्वारा दी गई तो उसने कहा कि किसी भी तरह मरीजा को बचा लें। रात में ऑपरेशन करके बच्चे को निकाला गया। जन्म होने पर मौत की बात गलत है।

एक्सप्रेस-वे पर बस की जबरदस्त टक्कर...मची चीखपुकार, 40 से अधिक यात्री थे सवार; परिचालक की मौत

फिरोजाबाद, एजेंसी। शिकोहाबाद में सवारियों को लेकर दिल्ली जा रही प्राइवेट बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई। इस भीषण हादसे में बस के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बस के परिचालक की मौत हो गई तथा चालक गंभीर घायल हुआ है। जिसे उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। रविवार को आजमगढ़ से सवारियों को लेकर एक प्राइवेट बस दिल्ली जा रही थी। बस में लगभग 40 से अधिक यात्री सवार थे। बस को चालक मनीष कुमार निवासी बकेवर जनपद इटावा चला रहा था। उसके साथ शिकोहाबाद निवासी सहायक चालक विपिन दुबे ड्राइवर केबिन में मौजूद था। रविवार तड़के 2:50 बजे करीब प्राइवेट बस जब आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के नसीरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत 49.600 किलोमीटर के समीप पहुंची। तभी अचानक चालक को नींद की झपकी आ गई। इसके चलते सवारियों से भरी बस आगे चल रहे किसी अज्ञात वाहन में पीछे से तेजी से जा टकराई। अचानक हुए हादसे से बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बस में सवार सहायक चालक विपिन दुबे की मौत हो गई तथा चालक मनीष कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया।

वैभव सूर्यवंशी को भी छोड़ा पीछे

भारतीय खिलाड़ी अभिषेक पाठक ने 33 गेंदों में जड़ा शतक, लगाए 15 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में 35 गेंदों में शतक जड़ा था, जो लीग के इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है. वैभव से भी तेज शतक अभिषेक पाठक ने मध्य प्रदेश लीग में जड़ा, उन्होंने मात्र 33 गेंदों में अपनी सेंचुरी पूरी की. पाठक ने इस विस्फोटक पारी में 90 रन तो सिर्फ छक्कों से ही बना डाले. अभिषेक भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के बड़े फैन भी हैं और उनसे क्या सीखना चाहते हैं, वो भी मैच के बाद बताया. अभिषेक पाठक सूर्यकुमार यादव के फैन हैं, उनकी इस पारी को देखकर सूर्या भी उनकी तारीफ जरूर करेंगे. शनिवार को हुए मुकाबले में बुंदेलखंड बुल्स टीम में शामिल अभिषेक ने करण तहलियानी के साथ पहले विकेट के लिए 178 रनों की साझेदारी की, 13 ओवर खत्म होने पर अभिषेक आउट हुए लेकिन इससे पहले वह गेंदबाजों की अच्छे से धुनाई कर चुके थे.

अभिषेक पाठक ने 33 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, वह यही नहीं रुके बल्कि इसके बाद भी विस्फोटक पारी जारी रखी. उन्होंने 48 गेंदों में 133 रन बनाए, इस पारी में उन्होंने 15 छक्के और 7 चौके जड़े. यानी सिर्फ 90 रन तो उन्होंने छक्कों से ही बना डाले.

अभिषेक ने दूसरे ही ओवर में 3 छक्के लगाने के बाद चौथे ओवर में रितेश शाक्या की गेंदों पर लगातार 4 छक्के जड़े. जबलपुर रॉयल लायंस के लिए सबसे ज्यादा रन रितेश ने ही दिए, उन्होंने अपने 4 ओवरों के स्पेल में 53 रन खर्चे. अनुभव अग्रवाल ने 3 ओवरों में 43 रन दिए.

सूर्यकुमार यादव जैसा बनना चाहते हैं अभिषेक पाठक

मैच के बाद अभिषेक ने कहा, मैंने 13 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया. मैंने 16, 19 और 23 में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया. मैंने सईद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी खेला है, ये सफर शानदार रहा है. पिछले साल भी मैंने एमपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था, मुझे नहीं लगता कि जल्द ही आईपीएल में भी खेल पाऊंगा. मुझे जहां भी खेलने का मौका मिला है, मैं सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करने और ज्यादा रन बनाने के बारे में सोचता हूं. मैं सूर्यकुमार यादव जैसी निरंतरता सीखना चाहता हूं, इसी पर मैं काम कर रहा हूं.

इंडिया-इंग्लैंड टेस्ट

9वें टेस्ट शतक से चूके ब्रूक

प्रसिद्ध ने 99 पर किया आउट; इंग्लैंड का स्कोर 400 के पार

लीड्स, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी हेडिंग्ले टेस्ट का तीसरा दिन है। पहली पारी में भारत ने 471 रन बनाए हैं। इंग्लैंड ने तीसरे दिन का खेल 209/3 के स्कोर से शुरू किया है। हैरी ब्रूक अपने नौवें टेस्ट शतक से सिर्फ एक रन से चूक गए। प्रसिद्ध कृष्णा ने उन्हें शार्दुल ठाकुर के हाथों कैच आउट कराया। वह 112 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के की मदद से 99 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेल सकते है जोफ्रा आर्चर

लंदन, एजेंसी। चोटों से प्रभावित तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहा दूसरा टेस्ट खेल सकते हैं क्योंकि वह डरहम में ससेक्स के लिये काउंटी चैम्पियनशिप मैच खेलने जा रहे हैं। भारत के खिलाफ एंडरसन

तेंदुलकर श्रृंखला के पहले टेस्ट में आर्चर और मार्क वुड के बिना इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर दिखाई दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'जोफ्रा आर्चर ससेक्स के लिए लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करेंगे हालांकि उनका नाम काउंटी चैम्पियनशिप के इस मैच की टीम में नहीं था। अगर वह मैच खेल पाते हैं तो भारत के खिलाफ एडबस्टन में दूसरे टेस्ट की टीम में हो सकते हैं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने पुष्टि की है कि वह इस काउंटी मैच के लिये ससेक्स टीम में होंगे। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले आर्चर चोटों के कारण चार साल से प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेले हैं। आर्चर ने 2021 से इंग्लैंड के लिये सिर्फ सफेद गेंद के प्रारूप में खेला है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि आर्चर लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं।

आंकड़ों के खेल में माहिर है ऋषभ पंत, उसका अपना कम्प्यूटर है :शास्त्री

लीड्स, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ऋषभ पंत के साहसिक और मनोरंजक प्रदर्शन के बाद कहा कि यह आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज आंकड़ों का खेल खूबसूरती से खेलता है और उसके पास अपना कंप्यूटर है जिसे चलाने का तरीका सिर्फ उसे ही पता है। पंत ने दूसरे दिन अपनी अपारंपरिक बल्लेबाजी से हेडिंग्ले के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए मात्र 178 गेंदों पर 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से 134 रन की साहसिक पारी खेली। पैडल स्वीप, शतक के बाद की कलाबाजी, पंत की यादगार पारी में कलात्मकता और पागलपन दोनों ही समान रूप से देखने को मिले। शास्त्री ने कहा, 'पंत आंकड़ों के खेल को खूबसूरती से खेलता है । वह अपने तरीके से खेलता है । वह तेजी से अपने खेल में बदलाव लाने में माहिर है। उसका अपना कम्प्यूटर है और उसे ही पता है कि वह कैसे काम करता है। यह उसका यूएसपी है। इससे गेंदबाज दबाव में आते हैं और वह सुपरहिट हो जाता है। असली

मनोरंजन करने वाला और मैच विनर। तीन साल पहले भयानक कार दुर्घटना में बाल-बाल बचे पंत ने मैदान पर सफल वापसी की। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक जमाने के बाद मैदान पर गुलाटी मारने वाले पंत के जश्न के बारे में शास्त्री ने कहा, 'इसका एक कारण है। वह इस मौके के लिए ऊपर वाले को धन्यवाद दे रहा था। घुटने टूटे हुए, हर तरफ चोट ही चोट। सर्रे के पूर्व क्रिकेटर इयान वार्ड ने कमेंट्री के दौरान कहा, 'यह (पंत) बाक्स आफिस है। सबसे मनोरंजक क्रिकेटरों में से एक। यह शतक के बेहतरीन जश्न में से है। ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखला में मिली हार के दौरान खराब स्कूप शॉट पर विकेट गंवाने वाले पंत के बारे में महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा था, 'स्टुपिड, स्टुपिड, स्टुपिड। लेकिन शनिवार को उन्होंने पंत के शतक के बाद कहा, 'सुपर्ब, सुपर्ब, सुपर्ब।

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डेविड लॉरेंस का 61 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और ग्लूस्टरशायर के पूर्व तेज गेंदबाज डेविड वैलेंटाइन लॉरेंस का 61 वर्ष की आयु में मोटर न्यूरॉन रोग (एमएनडी) से जूझने के बाद निधन हो गया। 1988 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद, लॉरेंस ने 1988 और 1992 के बीच पांच टेस्ट खेले, जिसमें 18 विकेट लिए, जिसमें

1991 में द ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक प्रसिद्ध पांच विकेट हॉल भी शामिल है - उसी पारी में उन्होंने महान विव रिचर्ड्स को आउट किया था। 1992 में वेलिंगटन, न्यूजीलैंड में एक टेस्ट मैच के दौरान लगी भयानक घुटने की चोट के कारण उनका अंतरराष्ट्रीय करियर दुखद रूप से समाप्त हो गया। 2023 में, उन्हें मोटर न्यूरॉन रोग का पता चला, जो जीवन को छोटा करने वाला एक न्यूरोलॉजिकल विकार है जो मांसपेशियों की कमजोरी का कारण बनता है जो कुछ महीनों या वर्षों में खराब हो जाता है। लॉरेंस परिवार की ओर से ग्लूस्टरशायर द्वारा साझा किए गए एक बयान में कहा गया, हमें बहुत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि डेव लॉरेंस एमबीई का निधन हो गया है.

National Day Bo&ing:

सेशेल्स नेशनल डे टूर्नामेंट में भारत का शानदार प्रदर्शन, छह मुक्केबाज फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजों ने सेशेल्स नेशनल डे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। भारत के छह मुक्केबाजों ने इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय मुक्केबाजों ने सेशेल्स नेशनल डे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है।

भारत के छह मुक्केबाजों ने इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। कजाखस्तान में एलोरडा कप में खेल चुके उत्तर प्रदेश के आदित्य प्रताप (65 किलो) ने तीसरे दौर में स्थानीय मुक्केबाज जोवानी बूजिन को रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने (आरएससी) पर हराया। राष्ट्रीय संयुक्त फाइनल्स में रजत पदक विजेता नीरज (75 किलो) ने आरएससी पर दूसरे दौर में जीत दर्ज की। बेलग्रेड मुक्केबाजी चैंपियन रहे और एलीट राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता हरियाणा के हिमांशु शर्मा

(50 किलो) ने मॉरीशस के मथियू एस को 4-1 से हराया। उत्तर प्रदेश के आशीष एम ने 55 किलो वर्ग में मॉरीशस के गुइलॉमी फ्रांसिस को 4-1 से मात दी।

राष्ट्रीय संयुक्त चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता हरियाणा के अनमोल (60 किलो) ने सेशेल्स के डारियो गैब्रियेल को 4-1 से हराया। कार्तिक दलाल (70 किलो) को दक्षिण अफ्रीका के ब्लेसिंग एनजियाना ने 4-1 से शिकस्त दी। एलोरडा कप 2024 के कांस्य पदक विजेता और राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण जीत चुके गौरव चौहान को 90 प्लस वर्ग में सीधे फाइनल में प्रवेश मिला है।

कनाडा ने भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। कनाडा क्रिकेट टीम ने भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार अमेरिका क्वालीफायर के मेजबान ने बहामास के खिलाफ जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपना स्थान सुनिश्चित किया, जो मौजूदा अभियान में उनकी लगातार पांचवीं जीत है।

आईसीसी वेबसाइट के अनुसार कलीम सना और शिवम शर्मा ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जिससे कनाडा ने बहामास को सिर्फ 57 रन पर ढेर कर दिया। इसके बाद इस छोटे से लक्ष्य को कनाडा के बल्लेबाजों ने सिर्फ 5.3 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल लिया गया। कनाडा के बल्लेबाज दिलप्रीत बाजवा ने 14 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाए। पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले गए टी20 विश्व कप में भाग लेने के बाद कनाडा क्वालीफायर में आगे बढ़ने के लिए पसंदीदा टीमों में से एक के रूप में पहुंचा।

निकोलस किर्टन की अगुवाई वाली कनाडाई टीम ने बरमूडा के खिलाफ 110 रनों से बड़ी जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद केमैन आइलैंड्स के खिलाफ 59 रनों से जीत दर्ज की। फिर अगले मैच में बहामास को 10 विकेट से रौंदा। चौथे मैच में केमैन आइलैंड्स के खिलाफ आरामदायक जीत दर्ज की। अब अपने पांचवें मैच में लगातार जीत दर्ज कर टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। कनाडा अब उन 10 टीमों की सूची में शामिल हो गया है जो 20 टीमों के इस आयोजन के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी हैं। इसके साथ ही सह-मेजबान भारत और श्रीलंका भी इसमें शामिल हैं।

अन्य क्वालीफाई करने वाली टीमों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान शामिल हैं। अब सात टीमें विश्वकप के लिए क्वालीफाई करने से बची हैं। इनमें यूरोप क्वालीफायर से दो (5-11 जुलाई तक), अफ्रीका क्वालीफायर से दो (19 सितंबर - 4 अक्टूबर) और एशिया-ईएपी क्वालीफायर से तीन (1-17 अक्टूबर) टीमें पुरुष टी 20 विश्व कप में शामिल होंगी।

एफआईएच प्रो लीग:

भारत को बेल्जियम ने 3-6 से हराया

एंटवर्प, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को एंटवर्प में चल रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 में बेल्जियम से 3-6 से हार गई। भारत की तरफ से दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह और अमित रोहिदास ने गोल दागा। भारतीय टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद दिलप्रीत सिंह के 36वें मिनट और मनदीप सिंह के 38वें मिनट में किए गए गोल से वापसी की थी। वहीं, अमित रोहिदास ने 56वें मिनट में गोल दागकर टीम को मैच में बनाए रखा था।

मैच के आखिरी क्षणों में लगे 3 गोल की वजह से टीम इंडिया को 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। बेल्जियम के लिए आर्थर वैन डोरेन ने पहले और 54वें, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 28वें, रोमन डुवेकोट ने 49वें, थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने 53वें और टॉम बून ने 59वें मिनट में गोल दागे। मैच के पहले मिनट के 20 सेकंड में बेल्जियम ने दो पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए। गोलकीपर सूरज करकेरा ने अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स की ड्रैग-फ्लिक को रोक दिया, लेकिन आर्थर वैन डोरेन ने रिबाउंड पर गोल करके मेजबान टीम को बढ़त दिला दी। बेल्जियम की तेज शुरुआत की वजह से भारत पिछड़ गया। भारत ने मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू कर दी। अपनी मजबूत तकनीकी क्षमता से उत्साहित, भारत ने दूसरे क्वार्टर में मुकाबले में अपनी जगह बनाई।

शानदार स्टिक-वर्क के साथ, बेल्जियम के मैन-टू-मैन डिफेंस पर दबाव बनाया और लगातार दो पेनाल्टी कॉर्नर जीते। खेल के दौरान, बेल्जियम ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली, जब हेंड्रिक्स ने हाफ-टाइम से ठीक पहले पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत शानदार तरीके से की, जिसमें उसने अपना मजबूत इरादा दिखाया। लेकिन, बेल्जियम ने धीरे-धीरे खेल पर फिर से कब्जा कर लिया। भारत को अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में एक घातक झटका लगा, जब रोमन डुवेकोट ने टॉम बून के कुशल रन के बाद करीब से गोल करके पेनाल्टी कॉर्नर के बाद बढ़त हासिल कर ली। अंतिम दस मिनट में खेल काफी रोमांचक रहा और विक्टर फाबर्ट के शानदार रन के बाद बेल्जियम ने फिर से गोल किया, जिससे थिब्यू स्टॉकब्रोक्स को आसानी से गोल करने का मौका मिला। भारत की मुश्किलें तब भी जारी रहीं जब सर्किल के अंदर से आर्थर वान का जबरदस्त शॉट अमित रोहिदास से टकराकर नेट में जा लगा और स्कोर 5-2 हो गया। अमित रोहिदास ने एक महत्वपूर्ण पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की तरफ से तीसरा गोल किया। अंतिम कुछ मिनटों में टॉम बून ने बेल्जियम के लिए छठा गोल करके टीम को बड़ी जीत दिला दी।

आईपीएल करियर में 0 रन बनाने वाले बल्लेबाज ने 12 छक्कों के साथ ठोके 156 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में एक भी रन नहीं और अमेरिका में चल रही एमएलसी में जब उतरा तो 12 छक्कों के साथ 156 रन ठोक डाले. हम बात कर रहे हैं 23 साल के ओपनर मिचेल ओवन की, जिन्होंने मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ ताबड़तोड़ पारी खेली. नतीजा, ये हुआ कि वॉशिंगटन फ्रीडम को वो बेहतरीन शुरुआत मिली, जिसके दम पर आगे बढ़ते हुए उस टीम ने एमएलसी 2025 में अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की. मतलब उसने लगातार तीसरी जीत की पटकथा लिखी. वॉशिंगटन फ्रीडम तीसरा मैच मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ 2 विकेट से जीता. मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 188 रन बनाए थे. जवाब में वाशिंगटन फ्रीडम की टीम ने 189 रन के लक्ष्य को 4 गेंद पहले ही 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया. इस तरह उसने एमएलसी 2025 में अब तक खेले 4 मैचों में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की. मतलब, वाशिंगटन फ्रीडम ने अपना सिर्फ पहला मैच ही गंवाया है.

एमएलसी 2025 में 12 छक्के के साथ ठोके 156 रन

मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ वाशिंगटन फ्रीडम की जीत में मिचेल ओवन की अहम भूमिका रही. इस मैच में उन्होंने 230.76 की स्ट्राइक रेट से 26 गेंदों में 60 रन ठोके, जिसमें 5 चौके और 5 छक्के शामिल रहे. इसी के साथ अब तक खेले 4 मैचों में मिचेल ओवन ने कुल 156 रन एमएलसी 2025 में बनाए हैं, जिसमें 12 छक्के शामिल रहे हैं.

मिचेल ओवन वही खिलाड़ी हैं, जिन्हें आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स ने ग्लेन मैक्सवेल के रिप्लेसमेंट के तौर पर जोड़ा था. पंजाब ने 3 करोड़ रुपये में ये डील की थी. हालांकि, मिचेल ओवन के आईपीएल करियर की शुरुआत वैसी नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थी.

उन्होंने आईपीएल में डेब्यू तो किया मगर उस मैच में वो खाता नहीं खोल पाए. मिचेल ओवन को बिना कोई रन बनाए ही डगआउट लौटना पड़ा. हालांकि, उस एक इनिंग ही आईपीएल 2025 में उनकी आखिरी इनिंग भी बनी. लेकिन, एमएलसी 2025 में मिचेल ओवन ने आईपीएल 2025 जैसा प्रदर्शन नहीं किया.

बल्कि पारी की शुरुआत करते हुए अपनी टीम के लिए बेजोड़ बुनियाद रख रहे हैं. यही वजह है कि वाशिंगटन फ्रीडम की तीसरी जीत में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया.